तापमान
अधिकतम 44 .0 डिग्री
न्यूनतम 23 .5 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 8 जून 2025

12 साइकिल रैली के जरिए दिया स्वस्थ जीवन शैली का संदेश

12 योगासन खेल प्रतियोगिता में सिया ने मारी बाजी

खबर संक्षेप

15 ग्राम स्मैक तस्करी के मामले में काबू

अंबाला। थाना पडाव क्षेत्र 12 क्रॉस रोड पर पानी टंकी के पास से नशा तस्करी के मामले में सीआईए-2 ने आरोपी ओमप्रकाश उर्फ बाबू को 15 ग्राम स्मैक सहित गिरफ्तार किया गया है। उसे अब एक दिन के रिमांड पर लिया गया है। पुलिस दल को सूचना मिली थी कि आरोपी मादक पदार्थों की तस्करी का कार्य करता है। इसी आधार पर पुलिस ने नाकाबंदी कर आरोपी को काबू किया। विधिपूर्वक तलाशी लेने पर उससे 15 ग्राम स्मैक बरामद हुई।

भैंस चोरी का आरोपी काबू, रिमांड पर लिया

अंबाला। थाना मुलाना में दर्ज चोरी के मामले में सीआईए-1 ने आरोपी परवेज उर्फ भूरा को गिरफ्तार किया है। उसे चार दिन के रिमांड पर लिया है। इस मामले में एक आरोपी को पहले गिरफ्तार किया जा चुका है । बिंजलपुर के राहुल कुमार ने 25 फरवरी 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 24/25 फरवरी 2025 की रात्रि को आरोपियों ने सफेद स्कॉर्पियो गाडी से उसकी व राकेश कुमार की भैंस चोरी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

बुजुर्ग महिला से गहने व मोबाइल लूटे, मारपीट

पानीपत। पानीपत के रेलवे स्टेशन पर बैठी 60 वर्षीय बुजुर्ग महिला राजरानी को दो लोगों ने बहकाया और उसके वहां से गांव उग्राखेडी के समने वाली काला आंब रोड पर ले गए। जहां उसका मोबाइल फोन और कानों की सोने से बनी बालिया लूट ली। वहीं जब राजरानी ने लूट का विरोध किया तो लुटेरें ने उसके साथ मारपीट की। लूट के बाद दोनों आरोपी राजरानी को सुनसान जगह पर छोड़कर फरार हो गए। राजरानी की शिकायत पर थाना चांदनी बाग पुलिस ने दो अज्ञात लोगों पर लूट के आरोप में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अटल सेवा केंद्र पर लूट के दो आरोपी गिरफ्तार

पानीपत। पानीपत में धूपसिंह नगर में पांच जून की शाम अटल सेवा केंद्र पर नकदी लूट की वारदात को अंजाम देने वाले दो आरोपियों मनीष निवासी गांव बड़ौली व विकास निवासी गांव बिंझौल जिला पानीपत को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों से उक्त वारदात के अतिरिक्त विद्यानंद कॉलोनी में दुकानदार के साथ तीन हजार रुपए की ठगी की वारदात का खुलासा हुआ। पुलिस ने दोनों को कोर्ट में पेश कर एक दिन के रिमांड पर लिया है, ताकि इनका अपराधिक रिकार्ड का पता चल सके। वहीं, लूट के मामले में थाना चांदनी बाग में प्रियंका की शिकायत पर कस दर्ज है।

कातिलाना हमले का फरार आरोपी पकड़ा

पानीपत। थाना किला पुलिस ने भारत नगर में जीजा राहुल चौहान व इसके साले उदय प्रताप पर जानलेवा हमला करने के मामले में फरार चल रहे पांचवें आरोपी गांधी नगर निवासी मोनू को गिरफ्तार किया है। वहीं थाना किला प्रभारी श्रीनिवास ने बताया कि इस मामले में धवन, हर्ष, विष्णु व भारत को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। इस मामले में थाना किला में भारत नगर निवासी राहुल चौहान पुत्र शीशपाल की शिकायत पर केस दर्ज है।

पिता-पुत्र पर हमला कर किया घायल, केस दर्ज

यमुनानगर। गांव पालेवाला में रंजिश को लेकर एक युवक ने अपने चार अन्य साथियों के साथ मिलकर पिता पुत्र पर गंडासी व तलवार से हमला कर घायल कर दिया। दोनों घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने एक आरोपी को नामजद करते हुए चार अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। ओमप्रकाश ने बताया कि उसके लड़के का कुछ दिन पहले गांव के ही संदीप से झगड़ा हो गया था।

मंत्री अनिल विज ने किया औचक निरीक्षण, नप अधिकारियों को दिए निर्देश

नाइट फूड मार्केट में देश के हर राज्य के व्यंजन का लुत्फ उठा पाएंगे लोग

दो महीने में बनकर तैयार हो जाएगी फूड मार्केट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने शनिवार सुबह गांधी ग्राउंड के साथ निर्माणाधीन नाइट फूड स्ट्रीट मार्केट का औचक निरीक्षण किया।

- मंत्री विज ने निर्माण कार्यों का जायजा लिया

यहां चल रहे निर्माण कार्य का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने नगर परिषद अधिकारियों को दिशा-निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान विज ने कहा कि नाइट फूड स्ट्रीट में हर राज्य के व्यंजन होंगे जिनका खान-पान के शौकीन लुत्फ उठा सकेंगे। उन्होंने बताया कि पूरी मार्केट वातानुकूलित होगी। यहां कुल 60 दुकानों का निर्माण किया जा रहा है जिनमें 40 शाकाहारी और 20 मांसाहारी होंगी।

अंबाला। नाइट फूड मार्केट का मुआयना करते मंत्री अनिल विज। फोटो : हरिभूमि

पार्किंग सुविधा भी रहेगी

नाइट फूड स्ट्रीट में लोगों के बैठने के लिए कॉमन स्पेस का भी निर्माण किया जा रहा है। वाहनों को खड़ा करने के लिए नाइट फूड स्ट्रीट के ठीक साथ पार्किंग सुविधा भी बनाई जा रही है। ऊर्जा व परिवहन मंत्री अनिल विज ने बताया कि नाइट फूड स्ट्रीट आगामी दो माह में बनकर तैयार होगी। दुकानों के अलॉट होते ही यहां पर देश के हर राज्य के व्यंजन खाने के लिए उपलब्ध होंगे। उन्होंने बताया कि मार्केट की डेकोरेशन व ब्यूटीफिकेशन की जाएगी ताकि यहां आने वाले लोगों को अच्छा महसूस हो। यहां पर ग्रेनाइट पत्थर का फ्लोर एवं अन्य प्रावधान भी किए गए हैं। गौरतलब है कि मंत्री के प्रयासों से गांधी ग्राउंड के साथ नाइट फूड स्ट्रीट का निर्माण नगर परिषद द्वारा किया जा रहा है। लगभग साढ़े 5 करोड़ रुपए की लागत से दो चरणों में इसका निर्माण किया जा रहा है। पहले चरण का कार्य खत्म हो चुका है। अब यहां दूसरे चरण में कार्य किए जा रहे हैं जिन्हें आगामी दो माह के भीतर खत्म करने का लक्ष्य तय किया गया है। नाइट फूड स्ट्रीट बनने से जहां लोगों को रोजगार मिलेगा। लोगों के बीच यह आकर्षण का केंद्र होगा जहां पर लोग विभिन्न किस्म के व्यंजनों का लुत्फ उठा सकेंगे।

ट्रीटमेंट प्लांट लगेगा

ऊर्जा व परिवहन मंत्री अनिल विज ने बताया कि नाइट फूड स्ट्रीट में ट्रीटमेंट प्लांट भी लगाया जाएगा। दुकानों से निकलने वाले वेस्ट खाद्य पदार्थों एवं पानी को ट्रीटमेंट प्लांट में ट्रीट करने के बाद इस पानी को नाले में फेंका जाएगा। इससे नाले में भी गंदगी नहीं डलेगी।

आस्ट्रेलिया भेजने के नाम पर ठगे 19.45 लाख रुपये

- पुत्रवधू के मायके वालों पर पैसे हड़पने का लगाया आरोप
- पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ किया धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

पुत्रवधू को ऑस्ट्रेलिया भेजने के नाम पर गांव सनखेड़ा निवासी सोहनलाल से 19 लाख 45 हजार रुपए हड़प लिए गए। आरोप पुत्रवधू के मायके वालों पर लगा है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद पांच आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

सोहनलाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके बेटे मनदीप सिंह की शादी 18 फरवरी 2022 को पंजाब के जिला पटियाला के गांव चांगरा रोड पातड़ा निवासी हरप्रीत कौर के साथ बिना दहेज के हुई थी। शादी से पहले हरप्रीत कौर के परिवार वालों ने उसे बताया था कि हरप्रीत कौर ने फामेर्सी की पढ़ाई और आईलाइट की हुई है। हरप्रीत कौर शादी के बाद उसके बेटे मनदीप सिंह को भी विदेश में ले जाएगी। आरोपियों के कहे अनुसार उन्होंने मनदीप सिंह का रिश्ता हरप्रीत कौर के साथ किया था। शादी के बाद हरप्रीत कौर के भाई गगनदीप सिंह, पिता जसविंदर सिंह, माता नीतू रानी तथा नानी महेंद्र कौर ने कहा कि वह विदेश भेजने के लिए हरप्रीत कौर की फीस देने में असमर्थ है। उन्होंने हरप्रीत कौर के वीजा की फाइल लगा दी है। उनकी एजेंट से बात हो गई है। वह एजेंट को अच्छी तरह से जानते हैं और ऑस्ट्रेलिया का स्टडी वीजा लगवा देगा। हरप्रीत कौर को ऑस्ट्रेलिया भेजने का जो भी खर्च आएगा वह उन्हें देना पड़ेगा। उसने आरोपियों पर विश्वास करके विदेश भेजने के नाम पर हां कर दी।

फाइल रिजेक्ट होने से नहीं जा पाई विदेश

इस प्रकार उसने आरोपियों को अलग-अलग करके करीब 19 लाख 45 हजार रुपए दे दिए मगर इस दौरान हरप्रीत कौर की फाइल रिजेक्ट हो गई और हरप्रीत कौर ऑस्ट्रेलिया नहीं जा पाई। जब उन्होंने आरोपियों से पैसे वापस मांगे तो आरोपियों ने पैसे देने से मना कर दिया। आरोपियों ने उन्हें झूठे केस में फंसाने की धमकी दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद सभी आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर लिया है।

हर्बल पार्क बनाने पर ग्रीनमैन दलजीत सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत शुगर मिल परिसर में ग्रीनमैन के नाम से प्रसिद्ध देशबंधु गुप्ता राजकीय महाविद्यालय पानीपत में सहायक प्रोफेसर इतिहास के पद पर कार्यरत दलजीत कुमार ने लगभग दो एकड़ भूमि पर हर्बल ऑक्सीजन बाग का निर्माण किया है।

- पानीपत शुगर मिल में लगाए हैं 80 से भी अधिक पौधे

प्रो. दलजीत ने बताया कि इस बाग में विभिन्न प्रकार के आयुर्वेदिक और फ्रूट के ऑक्सीजन के पौधे रोपित किए गए है जिनमें तुलसी, गिलोय, अश्वगंधा, ब्राह्मी, आदि 80 से अधिक प्रकार के पौधे शामिल हैं। इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता को बढ़ावा देना, और स्थानीय समुदाय को औषधीय पौधों के महत्व के प्रति जागरूक करना है। इस सराहनीय कार्य के लिए पानीपत शुगर मिल के प्रबंध निदेशक मनदीप कुमार ने प्रो. दलजीत को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित कर कहा कि प्रो. दलजीत का यह प्रयास न केवल पर्यावरण के लिए लाभकारी है बल्कि यह प्राकृतिक चिकित्सा की ओर भी प्रेरित करता है।

पानीपत। शुगर मिल के एमडी मंदीप, ग्रीनमैन प्रो .दलजीत को सम्मानित करते हुए।

हरियाणा तक फैली थी नकली कीटनाशक के रैकेट की जड़ें

पानीपत। नकली कीटनाशक, रसायन, उर्वरक बेचने के आरोपी राजेंद्र चेनानी निवासी गांव बस्सी जिला चित्तौडगढ़, राजस्थान का काला कारोबार हरियाणा में भी फैला था। राजेंद्र को तेलंगाना पुलिस ने गिरफ्तार किया और उसके नकली कीटनाशक, रसायन, उर्वरक काले कारोबार का राजफाश किया। राजेंद्र, ये नकली नकली कीटनाशक, रसायन, उर्वरक असली ब्रांड की तरह पैक किए जाते हैं। राजेंद्र ये नकली कीटनाशक, रसायन, उर्वरक को हरियाणा के अधिकतर जिलों समेत दिल्ली, राजस्थान, पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में अपने

मारकंडा व बेगना नदी की हो खुदाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बराड़ा

सांसद वरुण चौधरी ने सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के सचिव को पत्र लिख टांगरी नदी की तर्ज पर मारकंडा व बेगना नदी की खुदाई कराने व नदी किनारों पर बांध बनाने की मांग रखी। सांसद ने कहा कि मानसून के दौरान भारी बारिश के कारण इन दोनों नदियों के पास बसे गांव व खेतों को भारी नुकसान झेलना पड़ता है।

उन्होंने अपने पत्र में कहा कि दो साल पहले क्षेत्र में बाढ़ की मुख्य वजह ही इन नदियों की खुदाई न होना था जिसके कारण क्षेत्र को बहुत ज्यादा नुकसान हुआ। उनके द्वारा विधायक होते हुए विधानसभा में कई बार इन दोनों नदियों की खुदाई सहित गांव के नजदीक बांध बनाने की मांग की गई थी लेकिन खुदाई को लेकर अब तक कोई कार्य नहीं हुआ। न ही कोई कार्रवाई अमल में लाई गई है। इसके कारण नदियों के आसपास बसे ग्रामीणों व किसानों को फिर से जान - माल के नुकसान का डर सता रहा है। सांसद ने कहा कि मारकंडा व बेगना नदी मानसून के दौरान भारी बारिश के कारण विनाशकारी बाढ़ लाती है।

सांसद ने पत्र भेजकर की मांग, कहा बरसाती सीजन में दोनों नदियां मचाती हैं तबाही

गांवों व किसानों की खेतों में खड़ी फ़सल सहित जान- माल सहित पशुधन को नुकसान पहुंचाती है। सांसद ने पत्र के माध्यम से मांग करते हुए कहा कि सरकार मारकंडा व बेगना नदी की खुदाई सहित जिस गांव के पास बांध नहीं बना है वहां पर बांध बनाने का कार्य जल्द से जल्द करवाने का काम करे ताकि मानसून के दौरान क्षेत्रवासियों कोई नुक़सान न हो।

करंट लगने से युवक की मौत पर परिजनों ने जताया रोष

- आश्वासन के बाद पोस्टमार्टम के लिए राजी हुए परिजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

करंट लगने से युवक की मौत के बाद परिजनों ने पोस्टमार्टम करवाने को लेकर नागरिक अस्पताल में रोष जताया। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। करीब दो घंटे के बाद परिजन किसी तरह से पोस्टमार्टम के लिए मान गए। मृतक की पहचान बलदेव नगर के 31 वर्षीय राकेश कुमार के रूप में हुई है। राकेश सुल्तानपुर में लेंटर की शटरिंग खोल रहा था। इसी दौरान गाटर उछल कर तारों से टकरा गया जिससे राकेश को करंट लग गया। उसके साथी मुकेश को भी करंट लगा। मगर नीचे कूद कर उसने किसी तरह से अपनी जान बचाई। फिलहाल मुकेश को नागरिक अस्पताल में भर्ती किया गया है। दोनों ही बिहार के सीतामढ़ी के रहने वाले हैं। दो वर्षों से वे यहां पर काम कर रहे थे।

किशोरी ने नहर में लगाई छलांग

- किशोरी को बचाने की कोशिश नाकाम, दो घंटे बाद शव बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

करनाल के उचाना नहर पुल पर एक 13 साल की लड़की ने नहर में छलांग लगा दी। परिजनों के मुताबिक, नाबालिग अचानक घर से भागकर गई थी।

बड़ी बहन ने उसका पीछा भी किया। पुल पर बड़ी बहन ने उसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन नाबालिग ने खुद को छुड़ाते हुए बड़ी बहन को धक्का दिया और नहर में कूद गई। नहर में गिरते ही उसका सिर पुल के पिल्लर से टकराया और वह बेहोश होकर पानी में डूब गई। दो घंटे की तलाश के बाद शव को बाहर निकाला गया, लेकिन यह साफ नहीं हो पाया कि उसने ऐसा कदम क्यों उठाया। मृतका की पहचान करनाल की शिव कालोनी निवासी शानू के रूप में हुई है। शानू अपनी मां व बहन के साथ नानी के घर झिंझाड़ी गांव में रह रही थी।

घटना की सूचना मिलते ही गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची। अनिल और नीरज नामक गोताखोरों ने बताया कि शानू के नहर में गिरते ही उसे बचाने की कोशिश की गई, लेकिन वह सीधे पिल्लर से टकरा गई और पानी के अंदर ही बेहोश हो गई। जब वह पानी की सतह पर भी नहीं आई तो नहर के पानी का प्रेशर कम करवाया गया और फिर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया।

जांच में जुटी पुलिस

सूचना मिलने पर सदर थाना प्रभारी एसएचओ तरसेम चंद टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि मृतका शानू का शव पोस्टमार्टम के लिए करनाल मोर्चरी हाउस भिजवाया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

युवक ने किशोरी के साथ की अश्लील हरकतें

यमुनानगर। सदर यमुनानगर थाना क्षेत्र के एक कॉलोनी में युवक ने 12 वर्षीय लड़की को सुनसान स्थान पर ले जाकर उसके साथ अश्लील हरकतें की। आरोपी ने लड़की के कपड़े उतारने का प्रयास किया। लड़की के शोर मचाने पर आरोपी वहां से भाग गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आठ पोक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सदर यमुनानगर थाना क्षेत्र की कॉलोनी निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी 12 वर्षीय लड़की परिवार के सदस्यों के साथ पीर के भंडारे में प्रसाद खाने के लिए गई थी। दोपहर को तीन बजे अनिकेत नामक युवक उसकी लड़की को घर छोड़ने के बहाने से बहला फुसला कर अपने साथ मोटरसाइकिल पर बिठाकर ले आया। इसके बाद आरोपी उसकी लड़की को योग आश्रम के रास्ते श्मशान घाट के पास झाड़ियां में लेकर गया। जहां आरोपी ने उसकी लड़की के कपड़े उतारने का प्रयास किया और उसकी लड़की के साथ छेड़छाड़ की।।उसकी लड़की के शोर मचाने पर आरोपी वहां से भाग गया। उसकी लड़की ने घर जाकर घटना के बारे में बताया। उसने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी अनिकेत के खिलाफ आठ पोक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

- पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ किया केस दर्ज

प्रदेशभर में हर्षोल्लास से मनाया गया बकरीद का त्यौहार

मस्जिदों में अमन-चैन के लिए मांगी गई दुआ

- त्याग, समर्पण और अल्लाह के प्रति प्रेम का प्रतीक है बकरीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

ईद-उल-अज़हा (बकरीद) का त्यौहार प्रदेशभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अंबाला शहर में सभी प्रमुख मस्जिदों हज़रत साई तवक्कल शाह, मस्ज़दि लक्खी शाह, मस्जिद मक्का, मस्जिद मदीना कोर्ट रोड अंबाला शहर, मस्जिद बादशाही बाग, मस्जिद नसीर-उल-ओलिया नसीरपुर, मस्जिद उस्मानी जंडली, मस्जिद ईदगाह में नमाज अता की गई।

साथ ही मुल्क में अमन व चैन के लिए भी दुआ की गई। नमाज अता करने के बाद अंजुमन इस्लाहुल मुस्लिमीन सोसायटी के जिला सदर सैयद अहमद खान ने सभी लोगों से ईद-उल-अज़हा (बकरीद) की मुबारकबाद दी। ईद-उल-अज़हा इस्लाम धर्म का एक महत्वपूर्ण त्यौहार है जो त्याग, समर्पण और अल्लाह के प्रति प्रेम का प्रतीक है। यह हजरत इब्राहिम की कुर्बानी की याद दिलाता है। मुसलमानों को अल्लाह की राह में त्याग और समर्पण के महत्व को याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि इस्लाम में सिर्फ हक हलाल (मेहनत) से कमाए हुए पैसों से ही कुर्बानी जायज मानी जाती है। सहाबा ए इकराम ने हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलेही व सल्लम से फरमाया कि कुर्बानी क्या चीज़ है? तो हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलेही व सल्लम ने फरमाया के तुम्हारे जद्दे अमजद (परदादा) हजरत इब्राहिम की सुन्नत है। हजरत इब्राहिम अल्लाह तआला के बड़े सच्चे पक्के पैगंबर हैं लेकिन हजरत इब्राहिम के पास कोई औलाद नही थी। यहां तक कि उनकी उम्र 80 साल हो गई थी। हजरत इब्राहिम ने अल्लाह तआला से दुआ की कि मुझे नेक औलाद अता फरमा। अल्लाह तआला ने अपने पैगंबर की इस दुआ को कबूल फरमाया और नेक औलाद अता फरमाई। यानि अल्लाह तआला ने हज़रत इब्राहिम अलैहिस्सलाम को हजरत इस्माइल अता फरमाए। जब हजरत इस्माइल अपने अब्बा के साथ कामकाज में हाथ बंटाने लगे।

अंबाला। बकरीद के मौके पर नमाज अता करते मुस्लिम।

तर्क और कुर्बानी की मिसाल दी थी

हजरत इब्राहिम ने खवाब (सपना) देखा कि अल्लाह तआला ने फरमाया कि ऐ इब्राहिम हमारे रास्ते में वो चीज कुर्बान करो जो तुम्हें सबसे ज्यादा प्यारी हो तो हजरत इब्राहिम अपने बेटे हजरत इस्माइल को ले कर उस जगह पहुंचे जहां पर कुर्बानी देनी थी। जब हजरत इस्माइल को कुर्बान करना शुरू किया तो फरिश्तों के सरदार हजरत जिब्रील अली सलाम ने हजरत इब्राहिम के बेटे को हटाकर उस छुरी के नीचे मेमने (बकरा) के जिबह होने के साथ पहली कुर्बानी हुई। इस याद को ताजा करने के लिए यह त्यौहार हजरत इब्राहिम के जरिए अपने बेटे हज़रत इस्माइल की अल्लाह की राह में कुर्बानी देने की याद में मनाया जाता है जिसका जिक्र मुकद्दस कुरान में है। तर्क और कुर्बानी की इसी मिसाल की याद में मुस्लमान मक्का मुकर्रमा में हज का फरीजा अदा करते हैं।

युवक ने महिला के कानों से झपटी सोने की बालियां

- पुलिस ने अज्ञात युवक के खिलाफ किया केस दर्ज
- दुकान पर सामान खरीदने आई थी पीड़ित महिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

थाना सदर जगाधरी एरिया के गांव महमूदपुर में करियाने की दुकान पर सामान लेने आए युवक ने महिला के कानों से सोने की बालियां झपट ली। बोलियों की कीमत करीब 50 हजार रुपए है। पुलिस ने पीड़ित महिला की शिकायत के बाद अज्ञात युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार गांव महमूदपुर निवासी मामकौर ने बताया कि गांव के मेन रोड पर उसकी करियाने की दुकान है। छह जून को एक लड़का दुकान पर आया। उसने कोल्ड ड्रिंक मांगी। आरोपी ने उसे सौ रुपये दिए। जब वह फ्रिज से बोतल निकालने के लिए झुकी, तभी लड़के ने पीछे से आकर उसके कानों से सोने की बालियां झपट लीं और वहां से भाग गया। शोर सुनकर बहू कुसुमलता ने दौड़ कर उसका पीछा किया। सड़क किनारे पहले से एक लड़का बाइक स्टार्ट कर खड़ा था। दोनों लड़के बाइक पर सवार होकर जगाधरी की ओर भाग गए। बाइक का नंबर नोट नहीं हो सका। मामकौर ने बताया कि वह बदमाशों को सामने आने पर पहचान सकती है। छीनी गई बालियां करीब 14 साल पुरानी थीं। वजन लगभग साढ़े सात ग्राम था। महिला ने इनकी कीमत 50 हजार रुपये के लगभग बताई है। उसने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

खबर संक्षेप

स्पीकर आज सुनेंगे घरौंडा में लोगों की समस्याएं

करनाल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण रविवार को सुबह 11.30 से 1.30 तक घरौंडा पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में लोगों की समस्याएं सुनेंगे।

इससे पहले वे सुबह 9.30 बजे पीएचसी घरौंडा में हेल्थ यूनिट के भवन का शिलान्यास करेंगे, 10 बजे पुरानी तहसील के पास चिल्ड्रन पार्क का शिलान्यास व 10.30 बजे वार्ड नंबर 17 अशोका कॉलोनी घरौंडा में रघुवंश सैनी चौपाल का शिलान्यास करेंगे।

जनसंगठन 13 जून को जोरदार प्रदर्शन करेंगा

करनाल। सीटू जिला सचिव जगपाल राणा व उसके परिवार पर थाना सदर में झूठा मुकदमा रद्द करवाने को लेकर करनाल में जनसंगठन 13 जून को पुलिस अधिक्षक कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन करेंगे। सीटू जिला प्रधान सतपाल सैनी, सर्वकर्मचारी संघ के जिला प्रधान सुशील गुर्जर, रिटायर कर्मचारी यूनियन के जिला सचिव ओम प्रकाश सिहमार, अखिल भारतीय खेत मजदुर युनियन के राज्य प्रधान कामरेड जगमाल ने कहा कि नौ अप्रैल 2025 को सीटू जिला सचिव जगपाल राणा व उसके परिवार के खिलाफ सगीन धाराओं मे झूठा मुकदमा दर्ज करके जगपाल राणा को 40 दिन जेल में बंद रखा गया है। जगपाल राणा ओर उसका लडका झगड़े में शामिल ही नहीं थे।

विधानसभाध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने पांच विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया

दो करोड़ 18 लाख से होगा घरौंडा हलके का विकास

भविष्य में भी हलके में विकास की रफ्तार यूं ही जारी रहेगी: कल्याण

2 करोड़ 18 लाख की 5 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास | **56 लाख की एक परियोजना का भी उद्घाटन शामिल**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| घरौंडा

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने शनिवार को घरौंडा हल्के के लिए 2 करोड़ 18 लाख रुपए की 5 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इसमें एक करोड़ 62 लाख से अधिक की चार परियोजनाओं का शिलान्यास और 56 लाख की एक परियोजना का उद्घाटन शामिल है। इस मौके पर संबोधित करते हुए श्री कल्याण ने कहा कि भविष्य में भी हलके में विकास की रफ्तार यूं ही जारी रहेगी। उन्होंने चौरा गांव के रामलीला ग्राउंड में हॉल बनवाने की घोषणा भी की, साथ ही आश्वासन दिया कि इस गांव में जमीन उपलब्ध कराए जाने पर पुस्तकालय भी बनवाया जाएगा।

विधानसभा अध्यक्ष ने शनिवार को गांव चौरा में 18 लाख रुपये की लागत से बनने वाले तोमर चौपाल के हॉल और 10 लाख रुपये से बनने वाले महिलाओं के लिए मीटिंग हॉल का शिलान्यास किया। उन्होंने कैमला रोड से गढ़ी मुल्तान कॉलोनी तक की सडक़ के निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया। इस सड़क की लंबाई 850 मीटर है और इसके निर्माण पर 93 लाख रुपये खर्च होंगे। पंचायती राज विभाग द्वारा तीनों परियोजनाओं का निर्माण कार्य 6 महीने के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। श्री कल्याण ने आज अराईपुरा के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में मल्टी एक्टिविटी हॉल के निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया। हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से इस हॉल का निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए 56 लाख 50 हजार की राशि मंजूर की गई है तथा 41 लाख 50 हजार रुपये का टेंडर लगाया जा चुका है। निर्माण कार्य अप्रैल 2026 तक पूरा किया जाएगा। श्री कल्याण ने आज अलीपुर खालसा बरसत पुंडरी सडक़ से गांव पुंडरतक मंडी बोर्ड द्वारा बनवाई गई 700 मीटर लंबी सड़क का उद्घाटन किया। इस पर 56 लाख रुपये की लागत आई है।

विधानसभा अध्यक्ष ने लोगों से लड़ाई-झगड़ों से दूर रहने, सामूहिक कार्यों में सहयोग करने, बच्चों की पढ़ाई की ओर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। साथ ही पिछले दस साल में हलके में कराए गए प्रमुख विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि घरौंडा हल्का उनका परिवार है। स्पीकर के तौर पर मिली नई जिम्मेदारी के बावजूद वे हल्का वासियों को पूरा समय देते रहेंगे। उन्होंने ईमानदारी से हलके की तरक्की का वादा दोहराया।

घरौंडा। विकास कार्यों का उद्घाटन करते विधानसभाध्यक्ष हरविंद्र कल्याण।

घरौंडा। भाजपा के कार्यक्रम में मौजूद पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

घरौंडा। कार्यक्रम के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते विधानसभाध्यक्ष।

महिलाओं के लिए भी चौपाल/ मीटिंग हॉल

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण का इन गांवों में पगड़ी पहनाकर, पुष्प गुच्छ व स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया गया। चौरा गांव में उन्होंने पंचायत से बड़े आकार का हॉल बनवाने के लिए कहा। बोले-जरूरत पड़ी तो भविष्य में हॉल के ऊपर एक मंजिल और बनवा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हलके के जो गांव अभी तक महिला चौपाल/ महिला मीटिंग हॉल से वंचित हैं, उनमें अगले दो-अढ़ाई साल में इनका निर्माण करा दिया जाएगा। श्री कल्याण ने कहा कि चौरा गांव कई गांवों के केंद्र में है। यहां स्कूल के लिए नया भवन मंजूर हो चुका है। टंकी के पास एक और स्कूल भी बनवाया जाएगा। उन्होंने इस गांव में रामलीला ग्राउंड में हॉल बनवाने की घोषणा की और आश्वासन दिया कि जमीन उपलब्ध कराने पर यहां लाइब्रेरी भी बनवा दी जाएगी।

ज्ञानपुरा मंदिर में 15 दिन में शुरू होगा हॉल का निर्माण

कल्याण ने कहा पिछली प्लान में कोरोना के कारण कुछ विकास कार्य प्रभावित हुए थे। इन्हें इस योजना में प्राथमिकता से पूरा कराया जाएगा। गांव अराईपुरा में मल्टी एक्टिविटी हॉल बनने से विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार गतिविधियों के आयोजन की सुविधा मिलेगी। शिक्षक भी बेहतर तरीके से बच्चों को एक्टिविटीज करा सकेंगे। उन्होंने बताया कि ज्ञानपुरा मंदिर में भी हॉल के निर्माण का कार्य 15 दिन में शुरू हो जाएगा। इस पर 51 लाख की लागत आएगी। इसके बाद यहां धार्मिक कार्यक्रम अच्छे ढंग से आयोजित किए जा सकेंगे। ज्ञानपुरा कॉलोनी की गलियों का निर्माण आरंभ हो चुका है।

देश की तीसरी बड़ी एनसीसी अकादमी

उन्होंने कहा कि पूरा प्रयास है कि अराईपुरा की एनसीसी अकादमी की सभी अड़चनों का दूर कर इस साल के अंत तक वहां कार्य आरंभ हो। यह देश की तीसरी बड़ी अकादमी होगी जहां दूसरे राज्यों से भी हर साल कैडेट ट्रेनिंग लेने आएंगी। इससे हलके में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। श्री कल्याण ने कहा कि गढ़ी मुलतान कालोनी तक सडक़ बनने से यहां लगी औद्योगिक इकाइयों को भी फायदा होगा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर एसडीएम राजेश सोनी, डीईओ सुदेश ठुकराल, एसडीओ जयभगवान, वीरेंद्र सिंह, जेई निशांत राणा, बीईओ रवींद्र कुमार, प्रिंसिपल अनीता, चौरा के सरपंच प्रमोद कुमार, घरौंडा नगरपालिका चेयरमैन हैप्पी लक गुप्ता, मंडल अध्यक्ष रोहित भंडारी, भाजपा जिला सचिव मंजू खैंची, अधिवक्ता परिषद के जिला अध्यक्ष नरेश,मंडल प्रभारी जगदीश राणा, महामंत्री राजेश जोगी, संदीप, विजय राणा, धीरज खरकाली आदि मौजूद रहे।

करनाल। णमोकार महामंत्र के सामूहिक पाठ में उपस्थित श्रद्धालु।

बेजुबान पशुओं आत्मा की शांति के लिए पाठ किया

करनाल। शनिवार को एक विशेष समुदाय द्वारा मनाये जा रहे एक विशेष पर्व पर मासूम प्राणियों की कुर्बानी में बेजुबान लाखों पशुओं के जीवन का दुखद अंत होगा। इनकी आत्मा की शांति के लिए पूज्य क्षुल्लक श्री प्रज्ञांश सागर जी, जयपुर से पधारे विद्वान पंडित श्री शुभम शास्त्री जी व सोसाइटी के अध्यक्ष श्री विरेश जैन के नेतृत्व में श्री दिगम्बर जैन मंदिर जी में विशेष पूजा, शान्तिधारा व णमोकार महामंत्र का सामूहिक पाठ किया गया। प्रोफेसर एस.सी. जैन ने बताया निर्दोष पशुओं को तड़पाना, कष्ट देना, उन पर सामर्थ से ज्यादा भार लादना, मारना-काटना अथवा इनकी बलि देना महापाप है। कोई भी भगवान इससे खुश होगा ऐसा सोचना एक मिथ्या है। सभी धर्मों में जीव दया को पुण्य कार्य व धर्म का आधार माना गया है। अतः धर्म के नाम पर जीवों की हत्या करना पाप कर्म है व पर्यावरण के लिए भी हानिकारक है।

तीन सौ सफाई मित्रों ने करवाई स्वास्थ्य की जांच

- सफाई मित्रों की सेहत का ध्यान रखना हमारा कर्तव्य: रेनू बाला गुप्ता, महापौर
- स्वास्थ्य स्थिति की जांच कर आवश्यक चिकित्सा सहायता प्रदान करना स्वास्थ्य जांच शिविर का उद्देश्य: डॉ. वैशाली शर्मा, निगमायुक्त।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

हेल्थ कैंप में मौजूद महापौर रेनू बाला गुप्ता और निगमायुक्त डॉ. वैशाली शर्मा।

स्वच्छता और स्वास्थ्य की जागरूकता को लेकर नगर निगम करनाल कार्यालय में शनिवार को स्वच्छता से स्वास्थ्य कार्यक्रम आयोजित किया। इसके तहत नगर निगम के सफाई मित्र के अतिरिक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। यह जानकारी नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत स्वच्छता से स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया था। शिविर में सभी जोन से आए सफाई मित्रों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। शिविर में जिला नागरिक अस्पताल से आई टीम ने सफाई मित्रों की टुबरक्लोसिस (टी.बी.) यानि क्षय रोग की जांच की। टी.बी. मुक्त करनाल अभियान को लेकर मोबाईल वैन भी मौके पर मौजूद रही, जिसमें सफाई मित्रों के एक्स-रे करवाकर गए। इसके अतिरिक्त अमृतधारा माय अस्पताल की डॉ. टीम द्वारा ब्लड प्रैशर, शुगर, आंख व दांत इत्यादि की जांच की गई। उन्होंने बताया कि शनिवार को आयोजित चिकित्सा शिविर में 300 से अधिक सफाई मित्रों ने स्वास्थ्य की जांच करवाई। इसके अतिरिक्त गत माह मई में दो चिकित्सा शिविर लगाए गए थे, जिसमें करीब 600 सफाई मित्रों का चेकअप करवाया गया था। निगमायुक्त ने कहा कि सफाई मित्रों के लिए मेडिकल चेकअप शिविर लगाने का उद्देश्य उनकी स्वास्थ्य स्थिति की जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सा सहायता प्रदान करना है।

न्यूज डायरी

करनाल। विकास कार्यों का उद्घाटन करते विधायक सुरेंद्र राणा।

अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने को वचनबद्ध सरकार

करनाल। विधायक योगेन्द्र राणा ने आज गांव दादूपुर में कई विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सरकार पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए वचनबद्ध है। श्री राणा ने गांव दादूपुर से सिरसी व जुंडला को जोड़ने वाले पक्के मार्ग के निर्माण कार्य उद्घाटन किया। साथ ही राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में नवनिर्मित मुख्य द्वार, गेट तथा प्रार्थना ग्राउंड के स्टेज पर बने शैड, आंगनबाड़ी केंद्र के भवन एवं शौचालय के नवीनीकरण, प्रजापत चौपाल, फिरनी से लखपत सिंह के घर तक नवनिर्मित गली एवं नाली तथा सुरेंद्र पुत्र सूरत सिंह के डेरे तक बने रास्ते का भी उद्घाटन किया।

तरावड़ी। पानी की छबील लगाते श्री हनुमान सेवा समिति के पदाधिकारी व सदस्य।

श्री हनुमान सेवा समिति ने लगाई मीठे पानी की छबील

तरावड़ी। निर्जला एकादशी पर आज शहर में दुकानदारों ने राहगीरों को ठंडा मीठा पानी पिला कर सेवा भाव का संदेश दिया। दुकानदारों ने व अन्य लोगों ने मेन बाजार, सौकड़ा रोड, महावीर मंदिर व डायरी मोहल्ला में राहगीरों व वाहनों को रोक रोक कर लोगों को ठंडा शरबत व जलजीरा पिलाया। इस अवसर पर हनुमान सेवा समिति के प्रधान अमन शर्मा ने बताया कि प्राचीन मान्यताओं के अनुसार निर्जला एकादशी के दिन दान और जल की सेवा का बड़ा महत्व होता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति भोजन और वस्त्र के बिना रह सकता है लेकिन जल और हवा के बिना जीवन संभव नहीं है।

करनाल। रेत कारोबारी को जबरन कब्जा दिलवाने के खिलाफ धरने पर बैठे किसान।

मुस्ताबाद में किसानों का धरना तीसरे दिन भी जारी

करनाल। गांव मुस्ताबाद में किसानों की काश्त भूमि पर जिला प्रशासन द्वारा एक रेत कारोबारी को जबरन कब्जा दिलवाने के प्रयास के खिलाफ किसानों का विरोध प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी रहा। दर्जनों किसानों ने डेरा डाल रखा है और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। आज धरने की अध्यक्षता किसान नेता जोगिन्द्र सिंह सांगवान शेखपूरा ने अध्यक्षता की, संचालन जिला महासचिव सुरेंदर सिंह बैनीवाल ने किया। आस-पास के कई गांवों से किसान एकजुट होकर समर्थन में पहुंचे। सोमवार को किसान जिला सचिवालय पर प्रदर्शन करेंगे और एसपी से मिलकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जाएगी। धरने पर उपस्थित किसानों ने /"एकता जिंदाबाद/", /"जमीन हमारी – हक हमारा/"जैसे नारे लगाकर विरोध को मुखर किया। किसानों का आरोप है कि बिना किसी पूर्व सूचना या कानूनी प्रक्रिया के प्रशासन ने भारी पुलिस बल और मशीनरी के साथ खेतों में घुसपैठ की, और कब्जा दिलवाने की कोशिश की। जब इसकी भनक किसानों को लगी, तो वे भारी संख्या में मौके पर पहुंचे और शांतिपूर्ण तरीके से इसका विरोध किया। विरोध को देखते हुए प्रशासनिक अमले को पीछे हटना पड़ा। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी भूमि पर जबरन कब्जा करने की कोशिश की गई, तो वे आंदोलन को और उग्र करेंगे। उन्होंने साफ तौर पर कहा जान दे देंगे, पर जमीन नहीं देंगे। किसानों का कहना है कि वे किसी भी हाल में अपने पुश्तैनी हक से पीछे नहीं हटेंगे। धरनारत किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि वह तत्काल इस अवैध कार्रवाई को रोके और किसानों की भूमि को किसी भी निजी हित के लिए न छीना जाए। उन्होंने सरकार से यह भी अपील की है कि वह निष्पक्ष जांच कराए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे। इस अवसर पर ईशम सिंह, जोगिंदर सिंह, सतपाल, सुरेंद्र बेनीवाल, जसमेर सिंह, विनोद राणा कालरम, महिंद्र सिंह, मंडल खेड़ा छपरा, राजकुमार, दवेंद्र सांगवान, वेदपाल, ओम प्रकाश, रमेश शर्मा, राजू सांगवान, ओमपाल, दीवानचंद, महावीर देशवाल, पाला राम, राम सिंह, दयाल सिंह, रविंदर, सेठपाल, राजकुमार, सुशील व श्याम सिंह सहित काफी संख्या में रहे।

विश्व ब्रेन ट्यूमर दिवस पर किया जागरूक

तरावड़ी/करनाल। हर वर्ष 8 जून को विश्व ब्रेन ट्यूमर दिवस मनाया जाता है ताकि ब्रेन ट्यूमर के लक्षणों, इसके खतरों और इलाज के प्रति लोगों को जागरूक किया जा सके। इस अवसर पर डॉ. आदित्य गुप्ता, निदेशक - न्यूरोसर्जरी और साइबरनाइफ, आर्टेमिस अस्पताल, गुरुग्राम ने बताया कि ब्रेन ट्यूमर की समय पर पहचान और तकनीकी रूप से उन्नत इलाज आज जीवन रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। डॉ. गुप्ता ने बताया कि ब्रेन ट्यूमर के लक्षण जैसे कि बार-बार सिरदर्द, उल्टी, दौरे, नजर में बदलाव, बोलने या समझने में कठिनाई, संतुलन की समस्या या व्यवहार में बदलाव को नजऱअंदाज़ नहीं करना चाहिए। समय रहते एमआरआई जैसे टेस्ट से ट्यूमर की पहचान हो सकती है और सही इलाज की दिशा में कदम बढ़ाए जा सकते हैं।

करनाल। श्री खाटूश्याम मंदिर के स्थापना दिवस पर कार्यक्रम में मौजूद भक्त।

श्री खाटू श्याम का दीदार करने को उमड़े श्रद्धालु

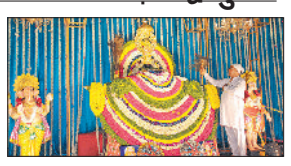

करनाल। श्री खाटू श्याम मंदिर करनाल के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित आनंदोत्सव में हजारों लोगों ने शामिल होकर श्याम बाबा के प्रति अपनी अटूट आस्था प्रकट की। मंदिर कमेटी की ओर से आयोजित संकीर्तन में देर रात तक लोग लंबी कतारों में श्याम बाबा के दर्शनों के लिए खड़े रहे। श्याम प्रेमियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। शाम छह बजे पावन जोत प्रज्जवलित करने के बाद प्रसिद्ध गायकों ने श्याम बाबा को रिझाने के लिए भजन गाने का सिलसिला शुरू किया। जय श्री श्याम और खाटू नरेश के जयकारों से पांडाल गूंजता रहा। मास्टर अर्थव मित्तल, विनय लाडला, हिमांशु सिंगला, दीक्षा वाधवा और गुरप्रीत सिंह धालीवाल ने सिलसिलेवार भजन गाए। गुरप्रीत धालीवाल ने जब इतने सेठ जहां में मौज उड़ाते हैं, इन्हीं से पूछो कहां से लेकर आते हैं, जब पता लगाया हमने इनके बारे में पता चला ये अक्सर खाटू जाते हैं ... भजन गाया।

हर बच्चा प्रतिभाशील, उन्हें आगे बढ़ाने के लिए अचूक रणनीति बनाएं अध्यापक: धर्मपाल चौधरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| इंद्री

इंद्री। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय इंद्री में बीईओ धर्मपाल चौधरी व अन्य।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय इंद्री में हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा आयोजित की जा रही पांच दिवसीय अध्यापक प्रशिक्षण कार्यशाला के तीसरे दिन खंड शिक्षा अधिकारी धर्मपाल चौधरी, जिला एफएलएन संयोजक विपिन कुमार, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान शाहपुर के प्राध्यापक डॉ. मनोज कुमार व प्रधानाचार्या ज्योति खुराना ने निरीक्षण किया। अधिकारियों ने कार्यशाला के पांचों समूहों में अध्यापकों के साथ संवाद किया और उन्हें प्रेरित किया।

खंड शिक्षा अधिकारी धर्मपाल चौधरी ने कहा कि कोई भी बच्चा शैक्षिक दृष्टि से कमजोर नहीं होता है। हर बच्चा संभावनाशील है। अध्यापकों को उसकी सृजनशीलता को समझना और उसे दिशा देनी है। यदि कोई बच्चा नहीं पढ़ रहा है तो अध्यापकों को उस बच्चे को पढ़ना पड़ेगा। उसकी सामाजिक आर्थिक परिस्थितियों को समझना होगा। यदि अध्यापक विद्यार्थियों के अनुकूल शिक्षण व मार्गदर्शन की विधियां व रणनीतियां अपनाएं तो हर बच्चा आगे बढ़ सकता है। उन्होंने अध्यापकों को एफएलएन की कक्षा अनुसार शिक्षक संदर्शिका और साप्ताहिक, सावधिक व वार्षिक आकलन के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि यदि कोई विद्यार्थी शिक्षण के अनुकूल स्तर नहीं हासिल करता है तो अध्यापक को उसे यूंही नहीं छोडना है, बल्कि उपचारात्मक शिक्षण के द्वारा उसकी दक्षताओं का विकास करना है। एफएलएन जिला संयोजक विपिन कुमार ने कहा कि

भागवत कथा के समापन पर सुरेंद्र भारद्वाज रहे मुख्य अतिथि

श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता का हुआ भावपूर्ण वर्णन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| घरौंडा

घरौंडा। श्रीमद्भागवत कथा में मौजूद श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

घरौंडा। श्रीमद्भागवत कथा में प्रवचन करते कथावाचक। फोटो: हरिभूमि

भगवान परशुराम मंदिर में विगत दिनों से चल रही श्रीमद्भागवत कथा का समापन गुरुवार को भव्य रूप से हुआ। कथा के अंतिम दिन प्रसिद्ध समाजसेवी सुरेंद्र भारद्वाज काबड़ी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। समापन अवसर पर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, जिन्होंने भक्ति भाव से कथा का श्रवण किया।

कथावाचक पंडित श्री कृष्ण कौशिक ने इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता का अत्यंत मार्मिक वर्णन किया। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता इस बात का प्रमाण है कि सच्चा मित्र वही होता है जो समय, स्थिति और हैसियत से परे होकर अपने मित्र के प्रति प्रेम और कर्तव्य निभाए। उन्होंने बताया कि जब सुदामा अपने मित्र श्रीकृष्ण से मिलने द्वारका पहुंचे, तब श्रीकृष्ण ने स्वयं दरवाजे पर आकर उनका स्वागत किया और अपने सिंहासन पर बैठाकर उनका चरण धोए। यह दृश्य यह दर्शाता है कि भगवान अपने भक्तों के प्रति कितना विनम्र और प्रेमपूर्ण व्यवहार करते हैं। पंडित कौशिक ने यह भी कहा कि सुदामा ने श्रीकृष्ण से कुछ भी नहीं मांगा, लेकिन भगवान ने उनकी दरिद्रता को देखकर बिना कहे ही सब कुछ प्रदान कर दिया। यह प्रसंग इस बात का प्रतीक है कि जो व्यक्ति सच्ची श्रद्धा और प्रेम से भगवान का स्मरण करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं बिना मांगे पूर्ण होती हैं। समाजसेवी सुरेंद्र भारद्वाज ने अपने संबोधन में कहा कि भागवत कथा न केवल आध्यात्मिक ज्ञान देती है, बल्कि जीवन को सदाचार और सेवा की ओर भी प्रेरित करती है। उन्होंने आयोजन समिति को धन्यवाद देते हुए ऐसे धार्मिक आयोजनों को समाज में सकारात्मकता का स्रोत बताया। समापन अवसर पर भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजकों ने सभी अतिथियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

डीसी ने सिंचाई विभाग को दिए निर्देश

करनाल। डीसी उत्तम सिंह ने गत दिवस करनाल व इंद्री उपमंडल के यमुना के साथ लगते गांवों का दौरा किया। इस दौरान जहां-जहां यमुना के तटबंध मजबूत करने के लिए पत्थर लगाने का कार्य किया जा रहा है, उसका निरीक्षण किया व सिंचाई विभाग को मानसून के आने से पहले इसे पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने इंटरनल ड्रेन जैसे दलियानपुर ड्रेन, हनौरी मेन ड्रेन, माहनमति ड्रेन, छपरिया ड्रेन का भी दौरा किया और इनके सफाई के कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। डीसी उत्तम सिंह सिंचाई विभाग के अधिकारियों व इंद्री व करनाल के एसडीएम के साथ जडौली गांव में स्थित जड़ौली कॉम्पलेक्स पर पहुंचे। यहां उन्होंने यमुना के तटबंध मजबूत करने के लिए पत्थर लगाए जाने के कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि 30 जून तक यह कार्य हर हालत में पूरा होना चाहिए।

खबर संक्षेप

ईडी ने पानीपत में छापेमारी की

पानीपत। श्री सिद्धदाता इस्पात प्राइवेट लिमिटेड और अन्य से जुड़े बैंक धोखाधड़ी मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत पांच जून को पानीपत समेत बारह ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। ईडी अधिकारियों ने बताया कि तलाशी के दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल सबूत, संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज और अन्य सामग्री जब्त की गई है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि जब्त दस्तावेजों में 30 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संपत्तियों से जुड़ी जानकारी है।

पुलिस अफसर का पुत्र लापता

पानीपत। पानीपत पुलिस लाइन में निवास कर रहे एएसआई नीर सिंह मूल निवासी गांव शामडी जिला सोनीपत का पुत्र 16 वर्षीय रितेश बेटा संदिग्ध परिस्थितियों में छह जून की शाम को अपने घर से लापता हो गया। पुलिस की जांच में पता चला कि एएसआई सिंह ने रितेश को कोचिंग सेंटर से देरी से आने पर डांटा था। माना जा रहा है कि पिता की डांट से दुखी होकर रितेश घर से चला गया। इधर, हुडा सेक्टर 29 थाना पुलिस ने रितेश के लापता होने का केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

नागरिकों को मीठा जल पिलाया

पानीपत। मारुति नंदन महावीर सेवा दल ने राहगीरों को जल सेवा एवं प्रसाद का वितरण किया। जिसमें बूथ अध्यक्ष विजय मेहता, रजत बांगा, सन्नी बांगा, कमल, अभिषेक, पंकज मेहता, अमित मेहता, हरीश मेहता व पवन मेहता आदि ने कहा कि जल सेवा नारायण सेवा, इसके मद्देनजर सामर्थ नागरिकों को जरूरतमंद लोगों के लिए अन्न व जल का प्रबंध करना चाहिए।

शिविर में बच्चों ने मैजिक शो देखा

पानीपत। बरसत रोड स्थित श्रीराम धर्मशाला में श्री राम सेवा दल नूरवाला द्वारा द्वितीय बाल संस्कार चेतना शिविर के सातवें दिन बच्चों को मैजिक शो दिखाया गया। वहीं कनिका गोचर ने बच्चों को मोटिवेशनल स्पीच दी। दीक्षा पुनानी ,शालू वधवा व पलक आन्नद ने बच्चों को अनेकों गुर सिखाए। इस अवसर पर श्री राम सेवा दल के प्रधान हरबंस आनंद, महिला विंग की प्रधान पायल वधवा, युवा विंग के प्रधान अविनाश पुनानी ने आए हुए अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

भीषण गर्मी से राहत को छबील लगाई

पानीपत। पानीपत में ईएसआई हॉस्पिटल के प्रांगण में स्टाफ द्वारा निर्जला एकादशी पर मीठे पानी की छबील लगाई गई। जिसमें हजारों लोगों ने मीठा पानी पीकर अपनी प्यास बुझाई। मीठा पानी पिलाने वालों में ईएसआई हॉस्पिटल की चिकित्सा अधीक्षक डा. वंदना सरदाना, सुनील थम्मन, कमल आहूजा ,राजपाल, अजय, राजेश ,आजाद ,मनजीत ,साहिल ,जयप्रकाश, ईश्वरदात, आजाद जिंदल ,रत्नदीप ,गीतांजलि अंजलि,पायल यादव, नीतू रावल, प्रवीण आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

जतिन ने रजत पदक जीता

समालखा। यामिन इंटरनेशनल अकादमी पंचवटी समालखा में राष्ट्रीय स्तर पर जूनियर 78 केजी वर्ग भार में रजत पदक लेकर आए जतिन का स्वागत किया गया। अकादमी के संचालक यामिन ने बताया कि ये अकादमी की एक अच्छी शुरूआत है। इस अवसर पर सुधीर सरदाना, विवेक त्रिपाठी, सुरेन्द्र सरोहा, कोमल, गौरव, प्रबनूर सिंह, नरेश कुमार, सागर, भूपेंद्र उपस्थित रहे।

निजी अस्पताल ने सरकारी भूमि से बनाया रास्ता

समालखा। आरटीआई एक्टिविस्ट पीपी कपूर ने आरोप लगाया कि नगर पालिका की करोड़ों रुपये कीमत की भूमि पर कब्जा कर निजी अस्पताल बनाया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जल्द पालिका भूमि से कब्जा खाली न करवाया और निजी हस्पताल का नक्शा रद्द न किया ।

धान को रोग से बचाते हुए उत्पादन बढ़ाएगा बीकोटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

मोहन बाबू, क्लस्टर कमर्शियल लीड भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका, क्रॉप साइंस डिवीजन, बेयर ने बताया कि कृषि एवं स्वास्थ्य से संबंधित लाइफ साइंस के क्षेत्र में अग्रणी वैश्विक कंपनी बेयर ने बीकोटा को लॉन्च किया है।

यह विशेष रूप से स्टेम बोरर कीट से निपटने में धान के किसानों की मदद के लिए तैयार किया गया प्रोडक्ट है। इन हानिकारक कीटों से सुरक्षा प्रदान करने के लिए बीकोटा में बेयर के एक्सक्लूसिव इनोवेशन को शामिल किया गया है। बीकोटा को इसी वर्ष की जून से हरियाणा आदि राज्यों में उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं, बीकोटा के प्रयोग से धान की फसल सुरक्षित रहेगी और लागत कम होगी, किसानों का मुनाफा बढ़ेगा।

---

89 गांवों के किसानों को खेती, पशु पालन आदि के प्रति जागरूक किया जा चुका

खेती की आधुनिक तकनीकों को अपनाएं किसान: डॉ. सतपाल

इस अभियान में किसान बढ़ चढ़ कर भाग ले रहे है व विभिन्न गांवों के 9877 किसान कृषि सबंधित नवीनतम जानकारी ले चुके

पानीपत । भारत सरकार व आईसीएआर के जागरूक कैंप में उपस्थित नारी शक्ति। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

भारत सरकार और आईसीएआर की संयुक्त पहल से संचालित अत्यंत महत्वकांक्षी व राष्ट्रीय स्तर का विशाल जागरूकता अभियान विकसित कृषि संकल्प अभियान को कृषि विज्ञा केंद्र, गांव उझा व अन्य कई विभागों के सहयोग से सफतापूर्वक चलाया जा रहा है। वहीं, कृषि विज्ञान केंद्र के संयोजक डॉ. सतपाल ने बताया कि इस अभियान के मध्यम से अभी तक पानीपत जिला के 89 गांवों के किसानों को जागरूक किया जा चुका है। अभियान में किसान बढ़ चढ़ कर भाग ले रहे है व विभिन्न गांवों के 9877 किसान कृषि सबंधित नवीनतम जानकारी ले चुके हैं। वहीं, कृषि विज्ञान केंद्र, आईसीएआर (दिल्ली) की विभिन्न प्रकोष्ठ, कृषि विभाग, इफ्को, मछली पालन, पशुपालन, बागवानी सहित अन्य विभागों के ब्लॉक तथा वैज्ञानिक व विशेषज्ञ शामिल हो रहे है और अपने विभाग से सम्बंधित सरकारी योजनाओं व वैज्ञानिक विधि से कृषि के तरीके किसानों को दे रहे है। गांव कैथ में जागरूकता अभियान के तहत राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल के निदेशक डॉ. धीर सिंह ने किसानों को पशु पालन की आधुनिक तकनीकों, पशुओं में होने वाली प्रमुख समस्याओं जैसे पशुओं में गर्भ धारण में समस्या के निदान, संतुलित आहार, खनिज मिश्रण खिलाने के फायदे के बारे में बताया। युवा किसानों से वैज्ञानिक तरीके से पशुपालन करने के बारे में जागरूक किया। एनडीआरआई करनाल में होने वाले विभिन्न ट्रेनिंग कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित ० आंमत्रित किया। वैज्ञानिकों ने किसानों को कृषि में उपयुक्त होने वाली विभिन्न नवीनतम उपकरणों जैसे ड्रोन तकनीक व आर्टिफिशिल इंटेलीजेन्स युक्त विभिन्न मोबाइल फ़ोन ऍप्लिकेशन्स के बारे में विस्तार से बताया गया।

वैज्ञानिकों ने ड्रोन दीदी के बारे में चर्चा की

उन्होंने किसानों को एआई डीईवाई किसान साथी और केवीके ऐप जैसे नवीनतम कृषि ऐप्स के ज्ञान से भी समृद्ध किया। वैज्ञानिकों ने ड्रोन दीदी के बारे में भी चर्चा करते हुए बताया कि ड्रोन तकनीक का उपयोग फसलों की निगरानी करने, उर्वरकों का छिड़काव करने और यहां तक कि बीमारियों का शीघ्र पता लगाने के लिए किया जाता है जिस से समय की बचत होती है और शारीरिक श्रम कम होता है। वहीं, विशेषज्ञों ने मिट्टी की गुणवत्ता का विश्लेषण करने, मिट्टी और पानी के नमूने लेने की तकनीक, मौसम का पूर्वानुमान करने के फायदे, सही तरीके से धान की नर्सरी तैयार करने की विधि जिस से पौधों में अच्छी वृद्धि हो सके, धान में उर्वरकों और रसायनों का उपयोग आदि के बारे में बताया।

पानीपत। ईद पर पौधे रोपते हुए हरियाणा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन संवर्धन परिषद के उपाध्यक्ष अफसर रावल आदि। फोटो :हरिभूमि

ईद उल अजहा की नमाज पढ़ मुस्लिमों ने पौधे रोपे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत के शहरी व ग्रामीण अंचल में ईद उल अजहा पर्व मनाया गया। जायरिनों ने ईद की नवाज पढ़ी और अल्लाह से सुख व शांति की दुआ मांगी। इधर, गांव बापौली की ईदगाह में ईद उल अजहा की नमाज के बाद अफसर रावल वॉइस चेयरमैन, हरियाणा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन संवर्धन परिषद इकाई व ग्रामीणों द्वारा पौधरोपण कर संदेश दिया कि सांसें हो रही है कम आओं पेड़ लगाए हम आओं हम प्रतिज्ञा लेते है ईद के मौके पर एक पेड़ अवश्य लगाएगें। अफसर रावल ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हमने अपने बच्चों के जन्मदिन हुए शादी समारोह हर खुशी के मौके पर एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए।

जिससे पर्यावरण दूषित होने से बचाया जा सकता है और एक पेड़ लगाने से हमें अनेकों प्रकार के लाभ मिलते हैं जैसे पेड़ हमें ठंडी छाया के साथ-साथ ऑक्सीजन देता है। इस अवसर पर बापौली मस्जिद के इमाम मुरसलीन, शमशाद, मामन, सलीम, असगर, मेहताब, फिरोज, ताहिर, इनाम आदि उपस्थित रहे।

बच्चों को संस्कारी बना रही है भारत विकास परिषद : ढांडा

■ भाविप रानी लक्ष्मीबाई शाखा का परिवार मिलन समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत । भारत विकास परिषद के पदाधिकारीगण शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

भारत विकास परिषद, रानी लक्ष्मीबाई शाखा पानीपत द्वारा आर्य गर्ल्ज पब्लिक स्कूल के सभागार में दायित्व ग्रहण एवं परिवार मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा मध्य प्रांत के प्रांतीय उपाध्यक्ष योगेश कौशिक, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, अति विशिष्ट अतिथि सेवा क्षेत्रीय संयोजक प्रवीण गुप्ता, प्रांतीय वित्त सचिव योगेश गोयल व पूर्व शाखा अध्यक्षा संगीता सेठी मंचासीन रहे। कार्यक्रम में पानीपत जिले की लव-कुश शाखा, समालखा शाखा एवं पानीपत शाखा के पदाधिकारियों सहित जिला समन्वयक अमृत लाल चौधरी, सह-समन्वयक संगीता सेठी, चमन गुलाटी, यश बांगा व जन सेवा दल के सदस्य भी उपस्थित रहे। जन सेवा दल द्वारा कोरोना काल में किए गए सेवा कार्यों अनाथ शवों की अंत्येष्टि, रक्तदान, नेत्रदान, अंगदान, देह दान का विशेष उल्लेख किया गया। वहीं शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि भारत विकास परिषद बच्चों को संस्कारी बना रही है।

कुरीतियों को खत्म करने का संदेश देता है धर्म

पानीपत। जैन मुनि रोहित महाराज ने मुख्य रूप से धर्म की शरण विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा की अपने ही किए हुए कर्म ही इंसान को बार बार संसार रूपी समंदर में भटका रहे है। इस लिए संसार सागर से बचने के लिये हमें अच्छे कर्म करने चाहिये और धर्म का शरणा लेने से कर्म रूपी शत्रुओं से लड़ने की ताकत और होशला मिल जाता है।

जैन मुनि रोहित, श्री वर्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन सभा अग्रवाल मंडी पानीपत में सत्संग कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हर नागरिक को अपने जीवन में धर्म का पालन करना चाहिए। धर्म, इंसान को कुरीतियों को खत्म करने का संदेश देता है।

इस अवसर पर श्री वर्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन सभा अग्रवाल मंडी पानीपत के अध्यक्ष गौतम जैन समेत बडी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पानीपत सेवा मंडल ने लगाई मीठे पानी की छबील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत । सेवा मंडल के स्वयं सेवी जनता को मीठे पानी का प्रसाद बांटते हुए।

पानीपत की बरसत रोड पर पानीपत सेवा मंडल द्वारा निर्जला एकादशी पर प्रसाद एवं एवं मीठा जल वितरण का आयोजन किया। जिसमें राहगीरों ने आलू व मीठे पानी का प्रसाद ग्रहण किया। पानीपत सेवा मंडल के प्रधान सुभाष बठला ने कहा कि जेठ माह में जल पिलाना एक पुण्य का काम है। और हमें समय-समय पर ऐसे कार्य करते रहना चाहिए। जिससे राहगीरों की प्यास बुझ सके। इस मौके पर श्रीराम दशहरा कमेटी के प्रधान भीम सचदेवा, श्रीराम सेवा दल के प्रधान हरबंस आनंद, सोम मदान, मदन लाल मजोका, दिनेश खुराना, हरीश अरोड़ा, राममेहर कौशिक, रोहित गाबा, अशोक तेहरी, रमेश कालडा, रविन्द्र खन्ना, सतीश बठला,अमर मिगलानी, अशोक कालड़ा, रामसरूप चावला, राजन छौक्करा, अमित बठला रमेश संदूजा, लोकेश झांब, सुरेन्द्र परूथी, सुनील ग्रोवर व संजय धवन आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पानीपत । दिवंगत माता शिव कुमारी के परिजनों को प्रमाण पत्र भेंट करते हुए

माता शिव का मरणोपरांत पार्थिव शरीर दान किया

पानीपत। पानीपत की सनौली रोड शिव चौक के नजदीक रहने वाले 70 वर्षीय माता शिव कुमारी अपनी सांसारिक यात्रा पूरी करके प्रभु चरणों में लीन हो गई और उनकी अंतिम इच्छा पर फूल चढ़ाते हुए उन की बेटियों ने आंखें दान के साथ शरीर दान का महान कार्य किया। जीते जी माता जी दूसरों की मदद करती रहती थी मरने के बाद भी अपने शरीर को दूसरों के लिए दान करके एक मिसाल कायम कर गए हैं। माता शिव कुमारी का पार्थिक एनसी मेडिकल कॉलेज इसराना में दान किया गया। आज उनकी अंतिम यात्रा में परिवार के सदस्यों के साथ कॉलोनी वासी भी एकत्रित हुए और नम आंखों से श्रद्धांजलि देते हुए उनके इस महान कार्य के लिए सेल्यूट किया। जनसेवा दल के चमन गुलाटी ने परिवार की बेटियों का धन्यवाद किया। सेवा के कार्य में प्रधान कृष्ण मनचंदा ,कमल गुलाटी ,श्याम लाल,राकेश गांधी, राजू कथूरिया मौजूद रहे।

श्री गणेश मंदिर में पूर्ण हुई मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा भक्तों के लिए खोला गया मंदिर

■ गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने मूर्तियों का अनावरण किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत । श्री गणेश मंदिर में पूजन करते हुए गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद आदि भक्तजन। फोटो :हरिभूमि

पानीपत के मॉडल टाउन की भाटिया कालोनी स्थित श्री गणेश मंदिर में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा हुई। जिसमें गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने मूर्तियों का अनावरण किया। जिसमें श्री राम पंचायत दरबार, शिव परिवार, मां दुर्गा, लक्ष्मी नारायण, राधा कृष्ण, हनुमान की मनमोहक मूर्तियां पूजन को लगाई गई है। वहीं शनिवार से ही मंदिर भक्तों के दर्शनों के लिए खुल गया है। देवी मंदिर के मुख्य पुजारी एवं धर्माचार्य आचार्य लालमणि पांडेय की अध्यक्षता में बनारस और चित्रकुट के 11 पंडितों के साथ प्राण प्रतिष्ठा कराई। मंत्रोच्चारण के बाद मूर्तियों की आंखों पर बंधी पट्टियां खोली गईं।

उन्हें एक छोटी बच्ची ने आइना दिखाया गया। मंदिर में खास रूप से श्रीराम पंचायत दरबार लगाया गया है। इस अवसर पर सतीश गोयल, श्री सनातन धर्म के संगठन के प्रधान कृष्ण रेवाड़ी, रमेश माटा, रविंद्र सैनी, चांद भाटिया, रामकुमार सैनी, डा. अर्चना गुप्ता, सुशील बंसल, विकास गोयल, विशाल गोयल, मनीष गोयल, चिमनलाल, वेद मित्तल, राजकुमार सिंगला भी पहुंचे। वहीं, स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि मालिक एक है उसके अनेक स्वरूप है। वहीं प्रभु के अवतार, धरती पर अधर्मियों का नाश करते है।

साईं बाबा की मूर्ति स्थापना दिवस समारोह 9 को

कुरुक्षेत्र। श्री दुर्गा देवी मंदिर पिपली के पीठाधीश और मां दुर्गा चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष ज्योतिषाचार्य व वास्तु महर्षि डॉ. सुरेश मिश्रा ने बताया कि साईं बाबा की मूर्ति स्थापना 9 जून 2011 को हुई थी इसलिए साईं बाबा की मूर्ति स्थापना का 14 वॉ वार्षिक महोत्सव 9 जून 2025 को भक्ति भावना से श्रद्धापूर्वक मनाया जाएगा। इस उपलक्ष्य में सोमवार को प्रातः 10 बजे यज्ञ ,आरती और भक्तों में प्रसाद वितरण का कार्यक्रम श्री दुर्गा देवी मन्दिर पिपली के प्रांगण में आयोजित होगा। पुजारी पण्डित राहुल मिश्रा वैदिक मंत्रों से पूजा अर्चना और यज्ञ करवाएंगे। सायंकाल 3: 30 बजे से आयोजित साईं संध्या में कुरुक्षेत्र के सुप्रसिद्ध गायक बब्बू चावला एवं पार्टी साईं बाबा की भेंटे सुनाएंगे। सभी श्रद्धालु भक्तों को साईं बाबा की मूर्ति स्थापना के 14वें वार्षिक दिवस की अग्रिम बहुत - बहुत हार्दिक शुभकामनाएं दी। समाजसेवी केवल कृष्ण छाबड़ा और पवन छाबड़ा अपने परिवार सहित विशेष पूजा अर्चना करेंगे। आप सभी अपने मित्रों और परिवार सहित सादर आमंत्रित है। आप सभी साईं बाबा और मां दुर्गा का आशीर्वाद लेकर पुण्य के भागी बने। इस शुभ अवसर पर भक्त सुशील तलवाड़, ऊषा सैनी, आरती गुप्ता, जोगन देवी,सरोज शर्मा और बिमला देवी आदि भक्तजन उपस्थित रहे।

आर्ट ऑफ लिविंग पानीपत चैप्टर ने जनता को करवाया योगाभ्यास

मानव शरीर के लिए वरदान है योग : डॉ. कुसुम

■ योग साधकों ने योग के माध्यम से शारीरिक, मानसिक व आत्मिक ऊर्जा का अनुभव किया

■ योग से मानसिक तनाव, चिंता और अवसाद जैसे विकारों में राहत मिलती है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत । श्रीश्री योग स्टेट कोऑर्डिनेटर डॉ कुसुम धीमान आदि योग करते हुए। फोटो :हरिभूमि

आर्ट ऑफ लिविंग पानीपत चैप्टर द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योग कार्यक्रम का आयोजन एमडी पब्लिक स्कूल, सनौली रोड पर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीश्री योग स्टेट कोऑर्डिनेटर डॉ. कुसुम धीमान ने की। कार्यक्रम में योग साधकों ने योग के माध्यम से शारीरिक, मानसिक व आत्मिक ऊर्जा का अनुभव किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ भीमगोडा मंदिर के प्रधान जोगिंद्र कमल, सनातन धर्म महावीर दल संस्था के महासचिव, पंकज सेठी, पार्षद अमित नारंग, पतंजलि की एग्जीक्यूटिव मेंबर वीरा गोयल, दशहरा कमेटी के प्रधान रमेश माटा, सुरेंद्र गोयल, डा. विकास, हरीश बंसल अतिथियों की उपस्थिति में हुआ। योग सत्र का संचालन श्रीश्री योगा टीचर मुकेश वर्मा ने किया। आर्ट ऑफ लिविंग के प्रतिभाशाली शिक्षकों डा. सुधा शर्मा ,सागर तांगरा व शिल्पी सेतिया ने विशेष रूप से सहयोग दिया। डॉ. कुसुम धीमान ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि सम्पूर्ण जीवन को संतुलन, स्थिरता और ऊर्जा देने की एक प्राचीन भारतीय प्रणाली है। यह न केवल तन को स्वस्थ और लचीला बनाता है बल्कि मन को शांति व एकाग्रता प्रदान करता है। योग से मानसिक तनाव, चिंता और अवसाद जैसे विकारों में राहत मिलती है। नियमित योगाभ्यास से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है, पाचन तंत्र सुधारता है, हार्मोन संतुलन बनता है अनेक जीवनशैली जनित रोगों से बचाव होता है। कार्यक्रम में पधारे अतिथियों को पौधे भेंट कर सम्मानित किया गया।

पशु चिकित्सक एसो. के जिलाध्यक्ष बने डॉ.माणिक

पानीपत। पानीपत जिला के पशु चिकित्सकों की बैठक का अयोजन पशुपालन एवं डेयरिंग विभाग उपनिदेशक कार्यालय में संपन्न हुआ। जिसमें पशु चिकित्सक एसोसिएशन की जिला इकाई का गठन किया गया। बैठक में सर्व सम्मति से डॉ.माणिक पंवार को जिलाध्यक्ष डॉ. पीके रॉय व डॉ. योगिता को उपाध्यक्ष, डॉ. आशीष को कोषाध्यक्ष , डॉ. शुभम को महासचिव, डॉ. कपिल अरोड़ा, डॉ. रविंदर फुलिया, डॉ. एसके सिंह को कार्यकारी सदस्य बनाया गया। वहीं, डॉ. माणिक पंवार व उपनिदेशक डॉ संजय आंतिल, उपमंडल अधिकारी डॉ. श्रीभगवान का समेत भी डॉक्टर्स आदि का आभार व्यक्त किया।

पशु चिकित्सक एसो के जिलाध्यक्ष

खबर संक्षेप

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना साहा में दर्ज मोटरसाईकिल चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी अमरीक सिंह को गिरफ्तार किया है। परिवादी संजीव कुमार ने 3 मई 2025 को थाना साहा में शिकायत दर्ज करवाई थी कि वह गांव केसरी में पंचायती ट्यूबवेल पर ऑपरेटर लगा हुआ है। ट्यूबवेल पर ड्यूटी के दौरान उसकी मोटरसाइकिल किसी ने चोरी कर ली है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

एक्टिवा चोरी के मामले में आरोपी

अंबाला। थाना अम्बाला छावनी में दर्ज एक्टिवा चोरी के मामले में सीआईए-2 ने आरोपी राजिंद्र उर्फ मद्रासी को गिरफ्तार किया है। पीडित महिला ने 4 मई 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि सुबह वह अपनी एक्टिवा से इंदिरा पार्क में घूमने के लिए गई थी। कुछ समय बाद वापस आने पर उसे वहां एक्टिवा नहीं मिली। किसी ने उसकी एक्टिवा चोरी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

संगीतमयी कार्यक्रम नो जून को

अंबाला। सोशल ऑर्गेनाइजेशन गुदगुदी जंक्शन समूह द्वारा संगीतमयी कार्यक्रम /"गीत बहार/" 9 जून को आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम को लेकर वरिष्ठ पदाधिकारी इंद्र परुथी के रेलवे रोड़ स्थित प्रतिष्ठान पर शनिवार को समूह अध्यक्ष चंद्रमौलि गौड़ की अध्यक्षता में पदाधिकारियों की बैठक हुई। अध्यक्ष ने बताया कि अंबाला शहर के मॉडल टाउन स्थित अंबाला क्लब में सोमवार,9 जून को सांय 7 से रात्रि 9:30 बजे तक संगीतमयी कार्यक्रम 'गीत बहार' का आयोजन होगा।

पेड़ पौधों का मानव जीवन में बड़ा महत्व

कुरुक्षेत्र। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग व शहरी आजीविका मिशन के संयुक्त तत्वावधान में अमृत मित्रा कार्यक्रम के तहत जिला जल परीक्षण प्रयोगशाला में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया, जिसमें मुख्य अतिथि पार्षद प्रतिनिधि योगेश शर्मा रहे। योगेश शर्मा ने कहा कि पेड़ पौधों का मानव जीवन में बड़ा महत्व है। पेड़ पौधे न सिर्फ ऑक्सीजन देते हैं, बल्कि तमाम प्रकार के फल-फूल, जड़ी बूटियां और लकड़ियां आदि भी देते हैं।

शिक्षित होने के लिए हमें बाबा साहेब के जीवन से लेनी होगी प्रेरणा

■ हर सक्षम व्यक्ति 50 असक्षम लोगों की मदद कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

सीएम के ओएसडी बोले मुश्किल परिस्थितियों में भी बाबा साहेब ने शिक्षा ग्रहण कर देश को नया संविधान दिया

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कुशल व्यक्तित्व के धनी हैं। 24 घंटे जनसेवा के लिए निरंतरता में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने इस मौके पर यह भी कहा कि पूर्व मंत्री विशंबर वाल्मीकी व कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी समाज के हितों के लिए निरंतरता में कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर उन्होंने नशे जैसी कुरूति को जड़ से मिटाने के लिए आह्वान भी किया। उन्होंने इस मौके पर मेधावी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र व मेडल पहनाकर जीवन में आगे बढबे के लिए प्रोत्साहित करते हुए अपना आशीर्वाद भी दिया। इस अवसर पर वाल्मीकि महापंचायत सभा के प्रदेशाध्यक्ष यशवीर सिंह , बुद्धराम मट्टू व डॉ. जोगिंद्र वाल्मीकि, डॉ. प्रिया, डॉ. कृष्ण कुमार, हरि कृष्ण टांक, प्रो. वीरेंद्र अटवाल, बृजपाल आदिवाल, डॉ. निर्मल सिंह, डॉ. राजेश कुमार टांक भी मौजूद थे।

अंबाला। मेधावी छात्रों को सम्मानित करते सीएम के ओएसडी वीरेंद्र सिंह व अन्य।

मुख्यमंत्री के ओएसडी वीरेंद्र सिंह बढख़ालसा ने कहा कि समाज व राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व का निवर्हन करते हुए देश को विश्व गुरू बनाने में हमें अपनी भागीदारी सुनिश्चत करनी है। उन्होंने कहा कि हमें अपने बच्चों को उच्चशिक्षा ग्रहण करवाते हुए जीवन में आगे बढऩे के लिए भी प्रोत्साहित करना है। बढख़ालसा शनिवार को अंबाला शहर के पंचायत भवन के सभागार में वाल्मीकि महापंचायत सभा हरियाणा द्वारा राज्यस्तरीय मेधीवी छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि पहुंचे थे। इससे पहले यहां मुख्यअतिथि का पहुंचने पर सभा के पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ व सम्मान की प्रतीक पगड़ी पहनाकर उनका भव्य अभिनंदन किया। इस मौके पर उनके साथ अनुसूचित जाति आयोग के पूर्व प्रदेशअध्यक्ष रघुमल मट्ट, संदीप बागड़ी, रामायणी व सुरेश बैनीवाल उपस्थित रहे। बढख़ालसा ने इस मौके पर वाल्मीकि महापंचायत द्वारा मेधावी छात्राओं के लिए आयोजित कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के मुख्यअतिथि विद्यार्थी हैं। ये बच्चे कल के भविष्य हैं। देश को आगे ले जाने में तथा विश्वगुरू बनाने में इनकी अहम भूमिका होगी। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन होने से विद्यार्थी प्रोत्साहित भी होते हैं। उन्होंने उपस्थित सभी को कहा कि समाज व देश को आगे ले जाने के लिए जो भी उनकी उपयोगिता है। उसे हमें सिद्ध करना है, जो हमारे दायित्व है उनका निर्वहन करते हुए देश व समाज को आगे ले जाने का काम करना है। हमें अपने अंदर ऐसे गुण आत्मसात करने है जिससे कि समाज में उन्हें जाना जाए। उन्होंने उपस्थित समाज के लोगों से यह भी आह्वान किया कि समाज में जो भी व्यक्ति सक्षम है वह ऐसे 50 असक्षम लोगों की सूची बनाए । उनसे मिल तथा उनकी जो भी सहायता की जा सकती है उसे करे। इससे निसंदेह उसे आत्म संतुष्टि होगी उससे समाज भी आगे बढेगा। ओएसडी ने कहा कि भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर ने बहुत संघर्ष किया है। विषम परिस्थितियों में उन्होंने अनेक कठिनाईयों का सामना करते हुए उच्च शिक्षा ग्रहण की थी। हमें उनके पदचिह्नों पर चलते हुए देश व समाज को आगे ले जाने का काम करना है।

ऑब्जर्वर एवं पूर्व मंत्री विजय इंद्र सिंगला बोले जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने पर फोक्स

कांग्रेस में तीन अध्यक्षों की जल्द होगी नियुक्ति, एक माह में प्रक्रिया होगी पूरी

जिलाध्यक्षों के बाद ब्लॉक स्तर पर होगी मजबूत कार्यकर्ताओं की नियुक्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के ऑब्जर्वर विजय इंदर सिंगला ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस संगठन सृजन अभियान की शुरूआत की गई है। इसमें घर-घर लोगों को कांग्रेस के साथ जोड़ा जाएगा और संगठन तैयार किया जाएगा। एक महीने के अंदर-अंदर जिले में शहर, कैंट और ग्रामीण में तीन अध्यक्षों की नियुक्ति कर दी जाएगी। क्योंकि कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी का मुख्य उद्देश्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पंचायत से लेकर बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना है।

सिंगला शनिवार को अंबाला कैंट कांग्रेस भवन में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राहुल गांधी की ओर से उठाए जाने वाले मुद्दों को जन-जन तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति में संविधान की रक्षा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए बड़ी चुनौती है। इसका डटकर सामना करना है। गुजरात को कांग्रेस सृजन अभियान का पायलट प्रोजेक्ट बनाया गया है।

वहां जिला कांग्रेस समितियों (डीसीसी) की नियुक्ति लगभग पूरी हो चुकी है। इसी मॉडल को अब मध्य प्रदेश, हरियाणा और ओडिशा में लागू किया जा रहा है। राहुल गांधी खुद इन नियुक्तियों की व्यक्तिगत निगरानी कर रहे हैं। उनका लक्ष्य संगठन की जड़ों को मजबूत बनाना है न कि सिर्फ ऊपर से सुधार करना। इस अभियान के शुरू करने के बाद प्रदेश के युवाओं में जोश देखने को मिल रहा है। राहुल गांधी के आदेशानुसार 35 से 55 वर्ष की आयु तक का कोई भी कार्यकर्ता, अगर जिलाध्यक्ष बनना चाहता है तो वह फार्म भरकर दे सकता है।

इसमें पूरी तरह से पारदर्शिता रहेगी। जिले में इस बार शहर, कैंट और ग्रामीण में अलग-अलग तीन अध्यक्ष बनाए जाएंगे। यह प्रक्रिया एक महीने में पूरी कर दी जाएगी। पहले जिलाध्यक्षों की नियुक्ति होगी, उसके बाद ब्लॉक स्तर, मंडल और बूथ स्तर पर पर भी नियुक्ति होगी। इसके अलावा संगठन में अन्य कमेटियां की भी नियुक्ति होगी।

इस संगठन में केवल उन्हीं को चुना जाएगा, जिन्होंने जमीनी स्तर पर रहकर पार्टी के लिए काम किया है। इस मौके सांसद वरुण चौधरी ने कहा कि हमारे राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी देश में गुजरात मॉडल की तर्ज पर प्रदेश में संगठन की नए सिरे से नींव रख रहे है। इसके लिए उन्होंने कांग्रेस सृजन संगठन अभियान की शुरूआत की है जिसमें जिलाध्यक्ष से लेकर बूथ स्तर तक नियुक्तियां की जाएंगी। इसमें केवल वफादारों को ही नियुक्त किया जाएगा। अंबाला कैंट से विधानसभा चुनाव लड़ चुके व हाल ही में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नियुक्त हुए आब्जर्वर परविंद्र सिंह परी ने कहा कि सीडब्ल्यूसी सदस्य विजय इंदर सिंगला 9 जून को सुबह अंबाला शहर व शाम को अंबाला कैंट कांग्रेस भवन में नियुक्ति को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ मीटिंग करेंगे। इसी तरह से 10 जून को नारायणगढ़ व मुलाना और साहा ब्लॉक के कार्यकर्ताओं की मीटिंग होगी।

अंबाला। मीडिया से बातचीत करते पूर्व मंत्री विजयइंद्र सिंगला व अन्य।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

इस कार्यक्रम का आयोजन जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से किया गया था जिसमें विधायक शैली चौधरी, विधायक निर्मल सिंह, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ऑब्जर्वर गौरव सिंह, सचिन कुंडू, कंवरदीप सैनी सहित मौजूद रहे।

साइकिल रैली के जरिए दिया राष्ट्रीय एकता व स्वस्थ जीवन शैली का संदेश

अंबाला। साइकिल रैली में शामिल लोग।

■ ब्रह्मकुमारीज आश्रम की ओर से रैली का हुआ आयोजन, पांच ऐतिहासिक स्मारकों से होकर गुजरी रैली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला छावनी के दयालबाग स्थित ब्रह्माकुमारीज आश्रम की ओर से शनिवार को साइकिल रैली का आयोजन किया गया। इस रैली को द 5 ऐतिहासिक महत्व और भारतीय विरासत के सूचक स्मारकों के आगे से गुजारा गया। यह साइकिल रैली राष्ट्रीय एकता, स्वस्थ जीवन शैली तथा विरासत के महत्व का संदेश लेकर बेहडे वाला पीर, श्याम नगर गुरुद्वारा के पीछे से निकलकर, रानी का तलाब प्राचीन शिव मंदिर, पटेल पार्क, खड़गा हेरिटेज पार्क, कैंटोनमेंट बोर्ड पार्क तोपखाना होते हुए पंजोखरा साहिब गुरुद्वारा तक पहुंची। यहां पर रैली का स्वागत अंतर्राष्ट्रीय प्रेरक वक्ता राजयोगी ब्रह्माकुमार भारत भूषण ने राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी बहनों संग किया। भ्राता ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा साइकिलिंग समय अनुसार का बहुत विशेष साधन है लेकिन इसको चलाने वालों की संख्या में बहुत कटौती हुई है। साइकिल हमें शिक्षा देती है हमें अपने जीवन में कभी भी संतुलन नहीं खोना चाहिए। जैसे विज्ञान के साथ आध्यात्मिकता का संतुलन, लव के साथ लॉ का संतुलन, शारीरिक एवं मानसिक संतुलन आदि। उन्होंने कहा हमें अपने जीवन में '4 पी' पॉपुलेशन, पॉवर्टी, पॉल्यूशन और प्लास्टिक से संभाल रखनी है।राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी शैली बहन ने शिपिंग, एविएशन एवं टूरिज्म प्रभाग द्वारा आयोजित सेवाओं का संक्षिप्त ब्यौरा दिया।

राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी प्रीति बहन ने राजयोग का अनुभव करवाया और परमात्मा से शक्तियां प्राप्त करने के लिए प्रतिदिन नियमित राजयोग अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस साइकिल यात्रा में 10 साल और इससे अधिक उम्र के लोगों ने भाग लिया। इस रैली में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को सर्टिफिकेट और उपहार से सम्मानित किया गया। श्री गुरु हरिकृष्ण खालसा कॉलेज के प्रधानाचार्य सुखदेव सिंह ने कार्यक्रम के आयोजन एवं सभी प्रतिभागियों को उनके महाविद्यालय में सम्मानित करने के लिए ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय का विशेष धन्यवाद किया।

सभी 32 वार्डों में संगठन के ढांचे को मजबूत करेगी चित्रा

अंबाला। अंबाला छावनी विधानसभा सीट से आजाद चुनाव लड़ चुकी चित्रा सरवारा ने एक बार फिर 32 वार्डों में मजबूत सांगठनिक ढांचा बनाने का ऐलान किया है। इसके लिए वे हर घर तक पहुंचेगी। चित्रा ने बताया कि यह कोई चुनावी तैयारी नहीं, बल्कि जनचेतना का विस्तारित स्वरूप होगा, जिसमें हर गली की समस्या को आवाज दी जाएगी और हर मोहल्ले की पीड़ा की सुनवाई के लिए मंच मिलेगा। लालकुर्ती के नजदीक आकाशदीप पैलेस में रविवार सुबह एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन सुबह 10:30 बजे टीम चित्रा द्वारा किया जाएगा जिसमें क्षेत्र के सक्रिय कार्यकर्ताओं और वार्ड प्रतिनिधियों को एकजुट किया जाएगा। उन्होंने कहा कि छावनी की जनता पीने के पानी की किल्लत,गंदगी,टूटी सड़कों, सीवरेज की बदहाल व्यवस्था, बेरोजगारी और सरकारी कार्यालयों में पसरी भ्रष्ट व्यवस्था से जूझ रही है। सरवारा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अंबाला छावनी में एक भी ऐसा विकास कार्य नहीं है जो बिना भ्रष्टाचार और समय सीमा में पूरा हुआ हो।हर जगह सिफ़ारिश और अफसरशाही की दीवारें खड़ी हैं। जनता के अधिकार को अहसान की शक्ल देकर लूटा जा रहा है। चित्रा सरवारा ने कहा कि टीम-चित्रा का आंदोलन सत्ता प्राप्ति की भूख नहीं, व्यवस्था परिवर्तन की चाह है। यह संगठन एक रिश्ता है, एक विचार है, जो जमीन से जुड़ा है।

योगासन खेल प्रतियोगिता में सिया ने मारी बाजी

बराड़ा। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में ब्लॉक स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के अनेक आयु वर्ग के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में मेज़बान विद्यालय के प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रमुख स्थान हासिल किए। लड़कियों के 10 से 14 आयु वर्ग में भारती (कक्षा 9वीं) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि चेतना गहलोत (कक्षा 8वीं) द्वितीय स्थान पाया तो तनवी शर्मा तृतीय स्थान पर रहीं। इसी आयु वर्ग के लड़कों में नैतिक ने प्रथम, अनुराग ने द्वितीय तथा शैम फोर्ड स्कूल के सैंमपाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लड़कियों के 14 से 18 आयु वर्ग में सिया (कक्षा 11वीं) ने प्रथम, माही (कक्षा 11वीं) ने द्वितीय तथा नंदिनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस वर्ग में लड़कों में नितिन (कक्षा 12वीं) प्रथम तथा कृष द्वितीय स्थान पर रहे। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या मंजू बाला ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मौके पर महिला हैंडबॉल कोच कुसुम, बैडमिंटन कोच पूर्णिमा, आयुष विभाग से धर्मवीर तथा विद्यालय के शारीरिक शिक्षक रणजीत सिंह चौहान का विशेष रूप से आभार प्रकट किया।

बराड़ा। प्रतियोगिता में विजेता रहने वाले विद्यार्थी।

संस्कार शिविर का हुआ समापन

■ स्किल एजूकेशन कार्यक्रम की कई गतिविधियों में छात्रों ने लिया हिस्सा

■ डीएवी स्कूल में आयोजित हुआ था शिविर, कलाओं का मनमोहक प्रदर्शन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। संस्कार शिविर में गायन कला का लुत्फ उठाते छात्र।

अंबाला शहर के डीएवी विद्यालय में आयोजित कला संस्कार शिविर एवं स्किल एजूकेशन कार्यक्रम का शनिवार को शानदार समापन हो गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने पूरे शिविर के दौरान सीखी गई कलाओं का मनमोहक प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर सूर्य नमस्कार के साथ हुई। इसके बाद बच्चों ने ब्लॉक पेंटिंग और हैंगिंग बॉस्केट डेकोरेशन के माध्यम से अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में पंजाबी लोकनृत्य और छात्रो ने गिटार पर गायन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यालय की प्राचार्या डॉ. आरआर सूरी तथा वरिष्ठ समन्वयक भारती ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बच्चों को उनकी सहभागिता के लिए प्रशस्ति पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ डायरी एंट्री के लिए नम्रित, चिराग, प्रतिमा को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। अंत में सभी बच्चों को स्वादिष्ट रिफ्रेशमेंट प्रदान किए गए और वे प्रसन्नता के साथ अपने घर लौटे। विद्यालय के प्रांगण में निर्जला एकादशी व गुरु अर्जुन देव के बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में लस्सी की छबील लगाई गई। पीटीएम में आए सभी अभिभावकों व अध्यापकों ने छबील मे लस्सी सेवा का पान किया। यह छबील विद्यालय के प्रधानाचार्य व सभी अध्यापकों के व छात्रों के योगदान द्वारा लगाई गई।

सभी धर्मों का सम्मान करना हमारी जिम्मेदारी

अंबाला। ईद-उल-जुहा (बकरीद) का पर्व रणजीत नगर स्थित बादशाही मस्जिद में धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर ईद की नमाज हाफिज व कारी मौलाना मोहम्मद मुबस्शिर रजा ने पढ़ाई और बड़ी तादाद में एकत्र हुए मुस्लिम समाज के लोगों ने अमन और शांति की दुआ की। मौलाना मोहम्मद मुबस्शिर रजा ने कहा कि हमें सभी धर्मों का सम्मान करना चाहिए, किसी की भी धार्मिक भावना को आहत नहीं करना चाहिए। रजा-ए- मुस्तफा वेलफेयर सोसायटी के प्रधान मोहम्मद मेराज आलम ने बताया कि ईद दो पैगंबरों इस्माइल व इब्राहिम की बेमिसाल कुबार्नी की याद में मनाई जाती है। ईद पर गरीबों व जरूरतमंदों का ख्याल रखना इस्लाम ही नहीं बल्कि इंसानियत का अव्वल फर्ज है। आलम ने कहा कि इस महीने में दुनिया भर के मुस्लिम समुदाय के लोग हज यात्रा में जाते है।

सुदेश कटारिया बोले, पूर्व की सरकारों ने दलितों को वोट बैंक के तौर पर किया इस्तेमाल

मनोहर लाल ने दलित समाज को मजबूत करने में निभाई अहम भूमिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के मुख्य मीडिया सलाहकार सुदेश कटारिया ने कहा कि राजनैतिक संत मनोहर लाल ने दलित समाज को मजबूत करने का काम किया है। उसी तर्ज पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी समाज के हितों को ध्यान में रखते हुए उनके लिए निरंतरता में कार्य कर रहे है।

कटारिया शनिवार को सेक्टर 9 अग्रवाल भवन में संविधान सम्मान समारोह समिति द्वारा आयोजित हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान जनसभा कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे। इस मौके पर विभिन्न सभा के पदाधिकारियों ने मुख्यअतिथि सुदेश कटारिया व राज्य एससी कमीशन के उपाध्यक्ष विजेंद्र बडगुज्जर को पुष्प गुच्छ, पगड़ी, सिरोपा, डॉ. भीमराव अम्बेडकर का चित्र व शाल भेंट कर भव्य अभिनंदन भी किया।

इस मौके पर उनके साथ कार्यक्रम के आयोजक डॉ. कपूर सिंह, श्रीश्री 1008 संत ज्ञाननाथ महाराज, स्वामी वीर सिंह हितकारी, कुलदीप बिट्टू महम, संजीव , रवि चौधरी विशेष तौर पर उपस्थित रहे। कटारिया ने इस मौके पर डॉ. भीमराव अम्बेडकर के चरणों में नमन करते हुए कहा कि राजनैतिक संत श्री मनोहर लाल के सानिध्य में उन्हें काम करने का मौका मिला है।

मनोहर लाल जब प्रदेश के मुख्यमंत्री थे उनके नेतृत्व में अमूलचूल परिवर्तन हुए हैं। प्रदेश विकास की राह पर निरंतरता में आगे बढ़ा। पूर्व की सरकारों में दलित समाज के हित के लिए कोई बात नहीं की गई बल्कि उनका प्रयोग केवल सत्ता हथियाने के लिए किया गया।

अंबाला। मुख्यअतिथि को सम्मानित करते हुए व समारोह में मौजूद लोग।

लोगों की सुनीं समस्याएं

पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में दलित समाज की पुरानी मांगों को पूरा करने का काम किया गया जिसमें एससी कमीशन का गठन, सफाई कर्मचारी आयोग का गठन करना व नौकरी व पदोन्नति में आरक्षण देने का महत्वपूर्ण कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान कार्यक्रम का शुभारंभ कुरूक्षेत्र की धरा से किया गया है। इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनकर उनका समाधान भी किया। एससी कमीशन के उपाध्यक्ष विजेंद्र बडगुज्जर ने कहा कि हमें भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा दिखाए गए रास्ते पर चलते हुए जीवन में आगे बढना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों में दलित समाज की हमेशा उपेक्षा रही है। वर्तमान सरकार दलित समाज के हितों के लिए कार्य करते हुए उन्हें आगे बढाने के लिए कार्य कर रही है।

बकरीद पर मुस्लिमों ने एकजुट होकर अता की नवाज, भाईचारे को दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

बकरीद (ईद-उल-अजहा) का पर्व शनिवार को बड़ी श्रद्धा, उत्साह और पारंपरिक जोश के साथ मनाया गया। सुबह से ही मुस्लिम समुदाय के लोग नए कपड़े पहनकर मस्जिदों व ईदगाहों की ओर रवाना होते देखे गए। कस्बा व गांव की बड़ी मस्जिद समेत गांव तंदवाल, जलुबी, सिरसगढ, मुलाना व आसपास की मस्जिदों में बकरीद की विशेष नमाज अदा की गई। नमाज की समाप्ति के बाद देश की खुशहाली, अमन-चैन और भाईचारे की दुआ मांगी गई। ईद-उल-अजहा की नमाज के बाद कुर्बानी की परंपरा निभाई गई। कुर्बानी के बाद लोगों ने अपने परिवार, पड़ोसियों और जरूरतमंदों के साथ मांस का वितरण कर आपसी भाईचारे और सहयोग की मिसाल पेश की। इस अवसर पर बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में विशेष उत्साह देखने को मिला। बच्चे नए कपड़े पहनकर एक-दूसरे को ईद मुबारक कहते नजर आए। कस्बे में सुरक्षा की दृष्टि से प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में गश्त की। बकरीद के मौके पर विभिन्न धर्मो के लोगों ने मुस्लिम समाज के लोगों को इस पावन पर्व की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर गांव तंदवाल के इमाम ने अपने संदेश में कहा कि बकरीद हमें त्याग, समर्पण और इंसानियत की राह पर चलने की प्रेरणा देती है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 8 जून 2025

समय तेजी से बदल रहा है। हर रोज तकनीक नए अवतार में सामने आ रही है। जाहिर है, ऐसे में सर्वाइव करने और ग्रो करने के लिए खुद को लगातार अपडेट करना जरूरी है। अच्छी बात है कि इस बात की महत्ता को समझते हुए आज के युवा अपनी स्किल्स डेवलपमेंट के लिए लगातार प्रयासरत हैं।

युवा नई स्किल्स सीखकर लगातार हो रहे अपडेट

{ कवर स्टोरी/ डॉ. मोनिका शर्मा }

तेजी से बदलते इस दौर में नई सोच ही नहीं न्यू एज स्किल्स भी आवश्यक हैं। आज के युवाओं को सेल्फ डेवलपमेंट की सोच में व्यक्तित्व ही नहीं कौशल को भी रखना होगा। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम का अनुमान है कि 2030 तक 85 फीसदी ऐसी नौकरियां मौजूद होंगी, जो बिल्कुल नए क्षेत्रों से जुड़ी होंगी। यानी, रोजगार के ऐसे फील्ड और अवसर, जो अभी तक अस्तित्व में नहीं हैं। इसलिए युवाओं में एडॉप्टिबिलिटी और नया सीखने की सोच जरूरी है। देखने में आ रहा है कि सरकार और कंपनियां भी निरंतर कौशल विकास की जरूरत पर बल दे रही हैं। असल में तकनीकी तरक्की और कॉर्पोरेट दुनिया के तेजी से बदलते परिवेश में नए लोगों को ही नहीं पहले से जुड़े कर्मचारियों को भी लगातार नई स्किल सीखनी जरूरी है।

बदलते हालातों से तालमेल

बदलाव के प्रति खुला रुख और बदलती परिस्थितियों के साथ तालमेल बैठाने की सोच आज के समय में बहुत आवश्यक है। एडॉप्टिबिलिटी से जुड़ा यह भाव वह सॉफ्ट स्किल है, जिस पर सीखने-समझने की लगातार चलने वाली प्रक्रिया टिकी होती है। असल में एडॉप्टिबिलिटी का मतलब ही नई परिस्थितियों के लिए खुद को तैयार रखना है। बदलती स्थितियों के साथ आसानी से ढलने की क्षमता जुटाना है। बदलाव के लिए लचीला रुख रखना है। तकनीकी दुनिया में एआई से लेकर प्रोफेशनल वर्ल्ड में लोगों से जुड़ाव की राह चुनने तक, पेशेवर दुनिया में नित नया सीखते रहने की प्रवृत्ति आज के समय की जरूरत है। आज टेक्नोलॉजी, इंडस्ट्रीज, सर्विस सेक्टर हर फ्रंट पर बदलाव आ रहा है। काम-काजी दुनिया की बदलती अपेक्षाओं के अनुरूप ढलना जरूरी है। स्किल्स और माइंडसेट के मोर्चे पर स्वयं को संवारते रहने से ही अपडेट रहा जा सकता है। सुखद है कि युवा अपनी स्किल को निखारने को प्राथमिकता भी दे रहे हैं।

मिलते हैं अनेक फायदे

उम्र के हर पड़ाव पर ही कुछ नया सीखना या सीखते रहना आत्मविश्वास की सौगात देता है। बात जब काम-काजी दुनिया में अपनी जमीन पुख्ता करने में जुटे युवाओं की हो तो, यह पहलू और अहम हो जाता है। असल में अपनी स्किल्स निखारने से जॉब में सुरक्षा मिलती है। किसी क्षेत्र विशेष में पहचान बनाने का अवसर मिलता है। मौजूदा नौकरी में तो आगे बढ़ने के अवसर मिलते ही हैं, करियर के नए दरवाजे भी खुलते हैं। मानसिक रूप से यह स्थिति तनाव से भी दूर रखती है, क्योंकि आने वाले समय के लिए खुद को तैयार करने के प्रयास हर तरह की असुरक्षा से दूर रखते हैं। नई स्किल्स सीखने से हर इंसान को अपने आप के बारे में अच्छी और सकारात्मक अनुभूति होती है। अपनी क्षमता के प्रति बने विश्वास से मन अधिक सशक्त महसूस करता है। काम-काजी दुनिया में इस मनःस्थिति के साथ चुनौतियों का सामना करना और आसान हो जाता है। नए स्किल्स सीखने से नए लक्ष्य बनाने और पाने की भी हिम्मत मिलती है। परिस्थितियों के अनुसार कौशल निखार से मिला आत्मविश्वास अनमोल होता है। ऐसे भरोसे से लबरेज मन-मस्तिष्क, हर हाल में कुछ बेहतर करने का मार्ग खोज लेता है। समझना मुश्किल नहीं कि फील्ड चाहे कोई भी हो, योग्यता के मोर्चे पर बेहतरी की ओर बढ़ते जाना कभी व्यर्थ नहीं जाता। *

डेवलप होती है पर्सनालिटी

फॉर्मल डिग्री के बाद भी कुछ नया सीखते रहना व्यक्तित्व विकास में भी सहायक होता है। नए स्किल्स सीखना अपने ज्ञान को बढ़ाना है। अपनी कार्यक्षमता को बेहतर करना है। समय के साथ चलते रहने की सोच को सही दिशा देना है। खासकर सॉफ्ट स्किल्स को बेहतर करना अच्छी निर्णय क्षमता, प्रभावी कम्युनिकेशन और समस्याओं का समाधान तलाशने में मददगार साबित होता है। ऐसे सभी पहलू व्यक्तित्व विकास से ही जुड़े होते हैं। यही बातें युवाओं की पर्सनालिटी को इंप्रेसिव बनाती हैं। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के अनुसार, व्यक्ति की पर्सनालिटी उसके स्थाई व्यवहार, विचार, इमोशनल पैटर्न और क्षमताओं को लिए होती है। कॉग्निटिव बिहेवेरियल थेरेपिस्ट और 'द फील गुड जर्नल' के लेखक लुडोविका कोलेला के मुताबिक 'व्यक्तित्व, व्यवहार और विचार पैटर्न का एक संयोजन होता है, जो समय के साथ अपेक्षाकृत स्थिर होता जाता है।' ऐसे में पर्सनल ग्रोथ और पर्सनालिटी डेवलपमेंट, दोनों ही सिस्टमेटिक ढंग से कुछ ना कुछ सीखते रहने से गहराई से जुड़े हैं। साथ ही खुद को सक्रिय रखने के लिए भी न्यू स्किल्स सीखना आवश्यक है। इस तरह नया स्किल, वर्किंग फील्ड में तो बेहतरी से जुड़ा ही है, युवाओं के व्यक्तित्व विकास का भी अहम पहलू है।

अपनी बिजी लाइफ में भी कुछ पल हों दोस्तों के लिए

{ रिलेशनशिप / संध्या सिंह }

वैसे तो आज के दौर में हर व्यक्ति समय की कमी का रोना रोता रहता है। लेकिन इस बिजी लाइफ में भी अगर कुछ पल आप अपने दोस्तों के साथ बिताते हैं तो इसके कई तरह के फायदे आपको मिलेंगे, जीवन में हमेशा जीवंतता बनी रहेगी।

हर रोज सुबह घर से निकलकर पूरा दिन ऑफिस में काम करने के बाद ट्रैफिक और भीड़ की मुश्किलें झेलने के बाद घर पहुंचकर आप अपने कंफर्टेबल जोन में आ जाते हैं। अपने लिए चाय बनाते हैं और किसी किताब को पढ़ने या कोई मनपसंद फिल्म देखने की सोचते हैं। तभी आपके दोस्त का फोन आता है, जिसकी आपके साथ काफी दिनों से मुलाकात नहीं हुई है। वह आपको रात के समय फिल्म देखने के लिए बोलता है तो आप कहते हैं कि नहीं, अब मेरा कोई मूड नहीं है। लेकिन दोस्त 10-15 मिनट के बाद आपको लेने के लिए आ जाता है। मन नहीं होने के बावजूद आप फिल्म देखने चले जाते हैं। लंबे समय के बाद दोस्त से मिलकर, फिल्म देखकर, उसके साथ वक्त बिताकर आपको बहुत अच्छा लगता है। क्या आपने भी ऐसा महसूस किया है?

तनाव होता है कम: यह सच है कि आज के समय में घर से ऑफिस और ऑफिस से घर की व्यस्त दिनचर्या में आपको दोस्तों से मिलने का ख्याल ही नहीं आता है। थकान और तमाम उलझनों के कारण उनके लिए समय निकालना आपके लिए संभव भी नहीं होता। लेकिन विभिन्न सर्वेक्षण इस बात का दावा करते हैं कि अपनी व्यस्त दिनचर्या में भी दोस्तों के लिए वक्त निकालना, आपको काफी हद तक तनावमुक्त करता है। दोस्तों से मिलना, उनके साथ समय बिताना उस समय और जरूरी हो जाता है, जब आप किसी तरह की समस्या से जूझ रहे होते हैं। जाहिर सी बात है, दोस्त के साथ मिलने पर आप उनके साथ अपनी समस्या शेयर करते हैं। आपका दोस्त आपकी समस्या को ध्यान से सुनता है और उसे नए तरीके से देखने और समझने के लिए आपको बहुत सी नई बातें बताता है, जिससे आपको अपनी वो छोटी सी समस्या जितनी पहले बड़ी लग रही थी, अब और छोटी दिखती है।

ऐसे बिताएं समय: यह जरूरी नहीं कि आप अपने पार्टनर के साथ ही घूमने के लिए जाएं। अपने दोस्तों के साथ भी ट्रिप का प्रोग्राम बना सकते हैं। ऐसी ट्रिप, जिसमें सिर्फ आप अपने आपको और दोस्तों को समय दें। न आपके पास लैपटॉप हो, न ई-मेल चेक करने का झंझट और अपने स्मार्टफोन को भी आप दिन के समय या कुछ खास आवर्स में स्विच ऑफ कर दें केवल दोस्तों के साथ घूमने का आनंद लें, घूमें, फिरें और पार्टी करें। उनके साथ मिलकर मूवी देखें, कांसर्ट में शिरकत करें। कोई प्ले देखें। इस तरह की गतिविधियों में शिरकत न करने के कारण हम सामाजिक गतिविधियों से दूर हो जाते हैं। ये वही मौके हैं, जिनके द्वारा आप आपने को सोशलाइज्ड कर सकते हैं।

अलग होता है मिलने का आनंद: अगर आपका दोस्त तनाव में है और वह खुद अपने को घर में बंद कर लेता है, अलग-थलग रहकर वह चिड़चिड़ा और तनावग्रस्त हो जाता है तो यही वह समय है, जब आप उसको उसकी बंद दुनिया से बाहर लाकर अपना सहारा दे सकते हैं। भले ही आजकल मोबाइल फोन, व्हाट्सएप कॉल, ई-मेल या एसएमएस के जरिए हम दोस्तों से कनेक्ट होते हैं, लेकिन वर्चुअल दुनिया से निकलकर आमने-सामने की बातचीत का कोई विकल्प नहीं होता।

मिलने की करें पक्की प्लानिंग: हम अकसर अपने दोस्तों से मिलने की प्लानिंग तो बहुत करते हैं, लेकिन मिल नहीं पाते। इसके लिए हर बार की मीटिंग के बाद अगली बार मिलने की एक तारीख निर्धारित कर लें और उसके लिए किसी भी सूरत में समय निकालें। जीवन की आपा-धापी के बीच दोस्तों के लिए समय जरूर निकालें। तो अगली बार जब आपसे कोई कहे कि चलो मिलते हैं, इसे एक अनिश्चित समय के लिए न टालें। मोबाइल फोन निकालकर कैलेंडर देखकर तुरंत पहले से एक तारीख तय कर लें और अपने शेड्यूल को उसी हिसाब से अडजेस्ट करके अगली बार जरूर मिलें। *

बोरियत को कहें बाय-बाय जिंदगी में भरें नई उमंग

वजहें अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन बोरियत की फीलिंग कभी न कभी सभी को होती है। ऐसे में उसकी वजह तलाशें, उसका समाधान करें और जिंदगी को नई उमंग के साथ जीना शुरू करें।

{ लाइफस्टाइल / शैलेंद्र सिंह }

किसी ने सच ही कहा है, चलती का नाम जिंदगी है। लेकिन कभी-कभी अपनी जिंदगी से बोरियत महसूस होने लगती है। बोर होने का मतलब है रुकावट, थकावट, कल्पनाहीनता वगैरह-वगैरह। सवाल है, ऐसी स्थिति में क्या किया जाए? हमें समझना होगा कि जब तक हम कल्पनाशील नहीं होंगे, बोरियत को दूर करने की चेष्टा नहीं करेंगे, तब तक बोरियत हमें अपने चंगुल में जकड़े रखेगी। बोरियत होने के दौरान हमें कोई भी चीज अच्छी नहीं लगती। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि बोरियत एक किस्म का डिप्रेशन है। इसलिए जैसे ही आप बोरियत महसूस करें तुरंत समझ जाएं कि आपके साथ कुछ गड़बड़ है।

बोरियत का मतलब: आमतौर पर बोरियत एक जैसी स्थिति से होती है। एक ही तरह के खाने से, एक ही तरह के कपड़ों से, एक ही तरह के काम से, एक ही जगह रहने से, एक जैसी बातों से और एक जैसे रिश्तों से। कुल मिलाकर बोरियत की तह में है एकरसता। अतः जीवन में एकरसता से बचना चाहिए।

क्यों होती है बोरियत: यह कोई बंधा-बंधाया नियम नहीं है कि बोरियत वही महसूस करेगा, जो शादी-शुदा हो। आजकल काम-काजी जीवन से जूझ रही युवा लोग भी बोरियत के चंगुल में बहुत जल्दी आ जाते हैं। वे चाहते हुए भी इससे दूर नहीं हो पाते। इसका सीधा सा जवाब यह है कि उनके पास सोशल होने का समय नहीं होता है। दोस्तों से झगड़ने का समय नहीं है। अपनों से बात करने का समय नहीं है। पार्टी करने का समय नहीं है। समय के अभाव के चलते बोरियत हमारी जिंदगी में गहरे तक घर कर गई है। बोरियत बड़े पैमाने पर प्रेमियों के संबंधों में देखने को मिलती है। हैरानी की बात यह है मौजूदा समय में बोरियत ने सबसे ज्यादा युवा कपल को ही घेरे रखा है, क्योंकि उनके पास एक-दूसरे के लिए समय नहीं है। इस तरह उनके जीवन में एकरसता बहुत आसानी से आ जाती है। वे ऊब से भर जाते हैं।

ऐसे करें बोरियत दूर: पुरुषों को यह समझना चाहिए कि आमतौर पर हर महिला की जिंदगी में उसका प्यार सबसे ज्यादा मायने रखता है। चाहे उसके पास करने को बहुत कुछ हो, चाहे उसके पास सोचने को बहुत कुछ हो, बावजूद इसके उनके जीवन में अपना पार्टनर सबसे खास होता है। लेकिन जैसे ही उसे महसूस होने लगे कि उसका पार्टनर काम के दबाव के चलते उसे नजरंदाज कर रहा है तो वह गहरे तक अवसादग्रस्त हो जाती है। वे मनोवैज्ञानिक तौर पर बुरी तरह आहत हो जाती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं कि मन ही मन कुढ़ना स्वास्थ्य पर बुरा असर डालता है। इसलिए पुरुषों को चाहिए कि वे अपनी पार्टनर को समय दें और अपने जीवन से बोरियत दूर रखें।

इन पर भी करें अमल: कपल्स के लिए यह भी जरूरी है कि हमेशा रोमांटिक बने रहें। चाहे स्थितियां कैसी भी क्यों न हो, अपने पार्टनर का सम्मान करें और उसे अपना पूरा समय दें। खासतौर पर पुरुषों को चाहिए कि वे अपनी पार्टनर को जरा भी नजरंदाज न करें। बोरियत से बचने के लिए हमेशा खुद में नए-नए बदलाव करते रहें। कभी-कभी घर को भी नया लुक देकर बोरियत से दूर हुआ जा सकता है। लड़कियों के लिए खुद को सजाना हमेशा दिलचस्पी भरा होता है। बोरियत घेर रही हो तो खुद को संवारें। यही नहीं रोमांसपूर्ण आकर्षण बनाए रखने के लिए कोशिश करें कि वही ड्रेस पहनें जो एक-दूसरे को अच्छे लगें। अचानक का स्पर्श भी आकर्षण बढ़ाता है, इसलिए मौका बे मौका एक-दूसरे को चुपके से छुएं जब दूसरा किसी और काम में खोया हो। इस तरह से दोनों के बीच लगाव बना रहेगा, जो बोरियत से दूर रखती है। जो लोग सिंगल है, वे अपने दोस्तों के साथ आउटिंग और हैंगआउट कर सकते हैं। बोर शब्द बेहद सामान्य प्रतीत होता है और लगता है कि कुछ घंटों में ही हम सामान्य हो जाएंगे। लेकिन ऐसा नहीं हो पाता, क्योंकि बोरियत दीमक की तरह है जो धीरे-धीरे अंदर की जीवंतता को निचोड़ लेती है। इसलिए अपने आस-पास के माहौल में भी निरंतर तब्दीलियां करें और रिश्तों में हमेशा गर्मजोशी बनाए रखें। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

शोधपरक-संग्रहणीय पुस्तक

हिंदी पत्रकारिता के इतिहास का विधिवत विवरण वर्ष 1826 से मिलता है, जब 'उदंत मार्तंड' साप्ताहिक समाचार पत्र के माध्यम से जुगल किशोर शुक्ल ने इसकी शुरुआत की। इसके लगभग 50-55 वर्ष के बाद ही वर्ष 1882 में हिंदी बाल पत्रकारिता की भी नींव पड़ी। उसके बाद से लेकर इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक तक पहुंचने की अपनी यात्रा में बाल पत्रकारिता, किन-किन सोपानों से होकर गुजरी, किन विभूतियों ने बाल पत्रकारिता को दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और किन प्रमुख बाल पत्रिकाओं ने बाल पाठकों को आकृष्ट करने में महती भूमिका निभाई, इन तमाम पक्षों पर विस्तार से और पूरी प्रामाणिकता के साथ ब्योरा प्रस्तुत करती है, कुछ समय पूर्व छपकर आई पुस्तक-हिंदी बाल पत्रकारिता का इतिहास। इसे सुप्रसिद्ध बाल साहित्यकार डॉ. सुरेंद्र विक्रम ने लिखा है। इस किताब को कुल पांच अध्यायों में बांटा गया है। पहले अध्याय में वर्ष 1882 से 1947 तक, दूसरे अध्याय में 1948 से 1960 तक, तीसरे अध्याय में 1961 से 2000 तक, चौथे अध्याय में 2001 से अब तक की बाल पत्रकारिता पर विहंगम दृष्टि डाली गई है। पांचवें अध्याय में हस्तलिखित बाल पत्रिकाओं का दुर्लभ विवरण दिया गया है। परिशिष्ट में सौ से अधिक बाल पत्रिकाओं के मुख पृष्ठ का संकलन लेखक के समर्पण और अथक परिश्रम को सिद्ध करता है। कुल मिलाकर यह एक शोधपरक-संग्रहणीय किताब है। *

पुस्तक: हिंदी बाल पत्रकारिता का इतिहास, **लेखक:** डॉ. सुरेंद्र विक्रम, **मूल्य:** 600 रुपए, **प्रकाशक:** भावना प्रकाशन, दिल्ली

भूखे भजन न होय गोपाला

अब सब लोग गोला बनाकर खड़े हो गए और एक-दूसरे का सामान आपस में बांटने लगे। फिर सबने खाना शुरू किया। खाते-खाते बात करने लगे, 'आज खाने में बहुत मशक्कत हुई। इसे कह सकते हैं कि हम लोग मेहनत करके ही खाते हैं।'

{ व्यंग्य / रमेश सैनी }

रामलाल बहुत सहनशील सहिष्णु लंबी सोच वाले व्यक्ति हैं। उनकी सोच बहुत उदारवादी है। *जीना ऐसा ना कोई से दोस्ती ना काहू से बैर। जहां काम पड़े अपना, अपना लो भले हो गैर।* यह उनके जीवन का फलसफा है। वे रोज सुबह चाय-पान के बाद अखबार पढ़ते हैं। उसमें भी सबसे पहले सिटी पेज में साहित्यिक, धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक कार्यक्रमों की सूचना पढ़ते हैं। लंबे अनुभव ने उन्हें सिखा दिया है कि किस आयोजन में स्वरुचि भोजन की व्यवस्था है। अनेक बार यह संयोग हो जाता है कि एक ही दिन में दो-चार आयोजन स्वरुचि भोज वाले की संभावना होती है। तब यह कयास लगाते हैं कि सबसे अच्छा भोज कहां पर होगा? तब वे उस आयोजन में ठाठ-बाट के साथ सम्मिलित हो जाते हैं। वे साहित्यक, धार्मिक और राजनीतिक आयोजनों के हिसाब से ड्रेस का चयन करते हैं। रामलाल जी अभिनय कला में मास्टर हैं। जहां जैसी जरूरत पड़ी, वैसा अपने को ढाल लेते हैं।

वे कुछ दिन पहले एक साहित्यिक आयोजन में मिल गए। आजकल आयोजन में भी भीड़ जुटाने के लिए स्वरुचि भोज रख लेते हैं। ऐसे में आयोजक को लगता है कि काफी भीड़ जुटी है और आयोजन सफल हो गया है। आयोजक भी श्रोताओं की सहनशक्ति, धैर्य और विश्वास की परीक्षा लेते हैं, उन्हें लगता है अगर शुरुआत में ही भोज रख दिया तो लोग खाकर आयोजन से निकल लेंगे। इस वजह से कार्यक्रम के बाद भोज रखते हैं। पर आयोजक डार-डार और श्रोता पात-पात। कुछ लोग समूह बनाकर आयोजन को सफल बनाने में योगदान देते हैं। ऐसे समूह में जो चतुर-चालाक और समझदार किस्म के लोग होते हैं, उन्हें आयोजन में शुरुआत में भेज देते हैं। उन्हें अकल होती है कि आयोजन कब खत्म होगा उसका अनुमान लगा लेते हैं। फिर वे कार्यक्रम खत्म होने के आधा-पौन घंटा पहले फोन कर देते हैं। तब उनके लोग भोज प्रारंभ होने के पहले भोजन स्थल पर पहुंच जाते हैं। रामलाल जी इसी तरह वर्षों से आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं।

उस रोज भी आयोजन समाप्त होने पर, जैसे ही स्वरुचि भोज आरंभ हुआ वहां उपस्थित अधिकांश लोग हमलावर के रूप में भोजन के स्टॉल पर टूट पड़े। मैं भी भीड़ में लग गया और सबके साथ धक्के खाकर भोजन के स्टॉल तक पहुंच गया। फिर धक्के से आगे बढ़ा तो सलाद, अचार और पापड़ के पास पहुंचा। मेरे आगे खड़े सज्जन मेरी दयनीय स्थिति को देखकर द्रवित हो गए और टमाटर के आठ-दस टुकड़े, दस-बारह पापड़ के टुकड़े मेरी प्लेट में रख दिए। फिर उन्होंने मुट्ठी भर अचार के टुकड़े मेरी प्लेट पर पटक दिए। मैं वहीं रुककर उन्हें कातर निरीह नजरों से देखने लगा। पर भीड़ को मेरा इस तरह रुककर देखना पसंद नहीं आया और मुझे धक्का मार कर लाइन से अलग कर दिया। फिर मैंने अपनी नजरें चारों ओर दौड़ाईं, शायद कोई पहचान वाला मिल जाए। तब देखा रामलाल आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। काफी कशमकश के बाद वे हार मान गए और लाइन से बाहर आ गए। मैंने दूर से उन्हें इशारा किया, यहां कैसे? मेरे पास आकर बोले, 'भाई साहब ने बुलाया था, तो मजबूरन आना पड़ा।' यह उनका तकिया कलाम है। मैंने देखा उनकी प्लेट में सिर्फ दाल ही दाल दिख रही थी। मैंने पूछा, 'यह क्या, सिर्फ दाल! किसी वैद्य ने कहा है?' इस पर मुस्कुरा कर बोले, 'सिर्फ दाल ही ले पाया। आगे बढ़ने से पहले ही भीड़ के धक्के ने इस शरीफ आदमी को समुद्र की लहर की भांति बाहर कर दिया।' यह कहकर वे एक किनारे खड़े हो चारों तरफ देखने लगे। उनकी नजर लाइन में लगे लोगों से टकराई। एक इशारा आया। उन्होंने संकेत भाषा में उत्तर दिया। तब वह आदमी दो कदम आगे बढ़ा। चार-छः कटोरी प्लेट में रखी और उनमें रायता भरकर बाहर आ गया। मुझे आश्चर्य हुआ। एक ही जगह से बाहर कैसे आ गया? उस आदमी ने आगे खड़े दो-तीन लोगों को संकेत किया। उन्होंने भी संकेत में अपना अभिप्राय बताया, फिर वे लोग एक-एक कर बाहर आकर खड़े हो गए। मैंने देखा एक की कटोरियों में पनीर की सब्जी भरी है और साथ में दस-पंद्रह रोटियां। दूसरे की कटोरियों में रसगुल्ले ही भरे पड़े हैं और तीसरे की प्लेट में चावल या उसे पुलाव कहा जाए पूरी तरह लबालब भरा हुआ है। चौथे आदमी की प्लेट में आठ-दस कटोरियों में खीर थीं। अब सब लोग गोला बनाकर खड़े हो गए और एक-दूसरे का सामान आपस में बांटने लगे। फिर सबने खाना शुरू किया। खाते-खाते बात करने लगे, 'आज खाने में बहुत मशक्कत हुई। इसे कह सकते हैं कि हम लोग मेहनत करके ही खाते हैं।' मैं भी उनके साथ खड़ा था। उन्होंने मुझ पर दया कर कुछ चीजें मेरी प्लेट में रख दीं।

अब सबके साथ मैं भी खाने लगा पर धीरे-धीरे। तब उनमें से एक ने कहा, 'भाई साहब, संकोच मत करिए, दिल खोलकर खाइए। हम मेहनत का खा रहे हैं। आप तो निश्चिंत होकर खाएं। इस सुरुचि भोज को हम लोग सहभागी भोज बनाकर एक पिकनिक सा आनंद लेते हैं।' तब मैंने उनसे कहा, 'आज का कार्यक्रम बहुत अच्छा रहा।' उनमें से दूसरा बोला, 'कार्यक्रम! हमें तो समझ में नहीं आया, हमारा पूरा ध्यान कार्यक्रम के बाद भोज में ही रहा। भोजन अच्छा, तो कार्यक्रम अच्छा। अन्यथा सब बेकार है। आखिर हम लोग खाना खाने के लिए ही तो जीते हैं और जीने के लिए ही खाते हैं। हमारे यहां कहावत है-भूखे भजन न होय गोपाला।' यह कह वे चुप होकर मुझे देखने लगे और मैं उन्हें। *

अनोखा शहर
शिखर चंद जैन

बहुत अजब-अनूठा है आइस सिटी हार्बिन

भारत के पड़ोसी मुल्क चीन का शहर हार्बिन अपने आप में कई सारी खूबियां समेटे हुए है। 'आइस सिटी' यानी 'बर्फ का शहर' नाम से मशहूर यह शहर अपने ठंडे-बर्फीले वातावरण के साथ-साथ यहां के दर्शनीय स्थलों और विभिन्न आयोजनों की वजह से दुनिया भर में मशहूर है।

कभी-कभी आपके मन में ख्याल आता होगा कि कितना अच्छा हो कि इस चिलचिलाती धूप और झुलसा देने वाली गर्मी से बचने के लिए हम किसी बर्फ के शहर में पहुंच जाएं। यह सिर्फ किस्सों-ख्यालों की बात नहीं है। दुनिया में वास्तव में मौजूद है एक ऐसा ठिकाना जो कहलाता है, बर्फ का शहर। जी हां, हम बात कर रहे हैं चीन में बसे अनूठे शहर हार्बिन की।

हार्बिन का इतिहास: इस अनूठे शहर की स्थापना रूस द्वारा एक बस्ती के रूप में की गई थी। इसका निर्माण व्लादिवोस्तोक और रूसी पोर्ट आर्थर (अब डालियान) के बीच रेलवे

(1896-1904 में निर्मित) को सपोर्ट देने के लिए किया गया था। यह कभी सोंगहुआ नदी पर स्थित एक साधारण गांव था, जहां के वाशिंदों की आजीविका का मुख्य साधन मछली पकड़ना था। बाद में बड़ी संख्या में रूसी और यूरोपीय प्रवासी हार्बिन में आए, जिससे शहर में विदेशी संस्कृति और स्वाद आया। ये लोग अपने साथ अपनी यूरोपीय परंपराएं और मान्यताएं भी लेकर आए। इन्हीं सब कारणों से हार्बिन का रंग-ढंग और यहां की संस्कृति बदली।

मिली-जुली संस्कृति: 'आइस सिटी' यानी 'बर्फ का शहर' के नाम से मशहूर हार्बिन, चीन के हेइलोंगजियांग प्रांत की राजधानी है। यहां की संस्कृति, वास्तुकला और जीवनशैली रूस, जापान समेत यूरोप और एशिया के कई देशों से प्रभावित है। हार्बिन पर्यटन की दृष्टि से दुनिया के लोकप्रिय स्थलों में से एक है। वास्तुकला के उत्कृष्ट नमूने जैसे- पुराना क्वार्टर, सेंट सोफिया कैथेड्रल, सेंट्रल एवेन्यू (पैदल यात्री सड़क), स्टालिन पार्क आदि यहां के खास आकर्षण हैं।

इस वजह से रहता है ठंडा: आप सोच रहे होंगे कि हार्बिन का मौसम इतना बर्फीला, इतना ठंडा क्यों है? दरअसल, साइबेरिया और मंगोलियाई पठार से ठंडी हवा पूर्व और दक्षिण की ओर यानी सीधे हार्बिन के ऊपर से बहती हैं, जिससे हार्बिन एक 'बर्फीला शहर' बन जाता है। इसके अलावा, हार्बिन एक तटीय शहर नहीं है। यह जापान सागर से 500 किमी से अधिक दूर है, इसलिए प्रशांत महासागर की गर्म धाराओं से कम ही प्रभावित होता है। इसलिए हार्बिन पश्चिमी यूरोप और जापान के शहरों की तुलना में अधिक ठंडा होता है। हार्बिन में सबसे ठंडा महीना जनवरी होता है, जब यहां का तापमान औसतन माइनस 18 डिग्री सेल्सियस (0 डिग्री फारेनहाइट) होता है।

हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड: यहां का सबसे लोकप्रिय स्थान हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड है, जो एक जमे हुए डिजनीलैंड की तरह दिखता है। इसमें आप बर्फ के महल, कार्टून, मूर्तियां देख सकते हैं और बर्फ के खेल और गतिविधियों की विविधता का आनंद ले सकते हैं। हार्बिन का आइस पार्क लगभग 8,10,000 वर्ग मीटर में फैला है, जो असंख्य मानव-निर्मित बर्फ की मूर्तियों, महलों एवं अन्य आकृतियों से सुसज्जित है। सूर्यास्त के बाद कृत्रिम रोशनी से जगमगाती ये मूर्तियां और आकृतियां पारंपरिक चीनी शैली की इमारतों से लेकर आकर्षक परीकथा महल और बीजिंग के स्वर्ग के मंदिर की याद दिलाती हैं। इसे सोंगहुआ नदी की लगभग 250,000 घन मीटर बर्फ से तैयार किया गया है। यहां दुनिया के सबसे बड़े बर्फ महोत्सव का आयोजन किया जाता है।

अनोखा है बर्फ महोत्सव: हार्बिन अंतरराष्ट्रीय बर्फ और बर्फ मूर्तिकला महोत्सव यहां आने वाले पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित करता है। यहां 300 फुटबॉल मैदानों के बराबर क्षेत्रफल में एक 'आइस सिटी' बनाई जाती है, जिसमें लगभग 500 मिलियन डॉलर की लागत आती है। इस बर्फीले परिदृश्य के बीच, पर्यटक स्कीईंग के साथ-साथ बर्फ पर बाइकिंग का भी आनंद ले सकते हैं। बर्फ महोत्सव के दौरान यहां का तापमान माइनस 35 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। हार्बिन का बर्फ महोत्सव पर्यटकों और फोटोग्राफरों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है।

अन्य गतिविधियां: बर्फ महोत्सव में पर्यटक पांच अलग-अलग थीम पार्कों का भ्रमण कर सकते हैं। ये थीम पार्क हैं- सन आइलैंड इंटरनेशनल स्नो स्कल्पचर आर्ट एक्सपो, हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड, हार्बिन वांडा आइस लैंटर्न वर्ल्ड, झाओलिन पार्क आइस लैंटर्न आर्ट फेयर और सोंगहुआ रिवर आइस एंड स्नो कार्निवल। सन आइलैंड इंटरनेशनल स्नो स्कल्पचर आर्ट एक्सपो में दुनिया भर के कलाकारों द्वारा बनाई गई विशाल बर्फ की मूर्तियां प्रदर्शित की जाती हैं। हार्बिन वांडा आइस लैंटर्न वर्ल्ड और झाओलिन पार्क आइस लैंटर्न आर्ट फेयर में आकर्षक आइस लैंटर्न प्रदर्शन किए जाते हैं। हार्बिन वांडा आइस लैंटर्न वर्ल्ड में एक हजार से अधिक रोशन लालटेन और सैकड़ों मूर्तियां प्रदर्शित की जाती हैं, जिनमें स्थानीय लोगों और कॉलेज के छात्रों द्वारा जटिल नक्काशीदार आर्ट्स शामिल हैं। झाओलिन पार्क, जहां आइस लैंटर्न शो और गार्डन पार्टी का आयोजन किया जाता है, शाम को रंगीन लालटेन से आगंतुकों को चकाचौंध कर देता है, साथ ही यहां लाइव बर्फ-नक्काशी प्रतियोगिताएं भी होती हैं। रोमांच पसंद करने वालों के लिए, बर्फ की चट्टान पर चढ़ना, बर्फ पर तीरंदाजी, बर्फ पर गोल्फ और स्नोबॉल की लड़ाई जैसी गतिविधियां भी यहां होती हैं। हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड, इस आयोजन का सबसे जीवंत स्थल है, जहां स्केटिंग, स्कीइंग, बर्फ की भूल-भुलैया और बर्फ पर बाइकिंग की सुविधा भी है। रोमांच चाहने वाले सुपर स्लाइड पर रोमांचक सवारी का आनंद ले सकते हैं, जिनमें से कुछ 1,000 फीट तक ऊंचे हैं। *

मिला संगीत शहर का खिताब

हार्बिन में संगीत की ऐतिहासिक एवं समृद्ध परंपरा रही है। यहां संगीत को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर संगीत के विविध आयोजन किए जाते हैं। साल 2010 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा इसे संगीत का शहर घोषित किया गया था।

प्रमुख रेलवे केंद्र

हार्बिन पूर्वोत्तर चीन का प्रमुख उत्तरी रेलवे केंद्र है। साथ ही यह चीन और पूर्वोत्तर एशिया को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण रेलवे केंद्र है। चीन के पूर्वी रेलवे के निर्माण के क्रम में हार्बिन का विकास हुआ, इसलिए चीनी कहते हैं कि हार्बिन 'ट्रेनों द्वारा परिवहन किया जाने वाला शहर' है।

सेल्फ ग्रोथ के लिए अच्छी नहीं दूसरों में कमी खोजने की आदत

कुछ लोग हमेशा दूसरों में कमियां खोजते रहते हैं। इससे वे स्वयं में जरूरी बदलाव नहीं कर पाते हैं। इस बैड हैबिट के क्या नुकसान हो सकते हैं और इससे बचने के लिए क्या करना चाहिए, बहुत उपयोगी सलाह।

मोटिवेशन
शिखर चंद जैन

एक कहावत है कि अगर आपको हर किसी में खोट और कमी नजर आती है तो कमी दूसरों में नहीं बल्कि आप में है। इसका मतलब यह है कि आप ऐसे लोगों में से एक हैं, जिन्हें चांद में दाग दिखता है लेकिन उसका धवल प्रकाश, शीतल चांदनी और लुभावना आकार नजर नहीं आता। आपको गुलाब में कांटे दिखते हैं, लेकिन उसकी मनभावन खुशबू को आप महसूस नहीं कर पाते। इसके विपरीत जब आप दूसरों की विशेषताएं उनकी सफलता, समृद्धि और अच्छी आदतों को देखना और जज्ब करना सीख जाते हैं तो आप खुद की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करने लगते हैं। आप आगे बढ़ना चाहते हैं तो दूसरों की अच्छाइयों को अपनाएं और अपनी कमियों को पहचान कर उन्हें दूर करें।

कोसना बंद करें: कुछ कारणों से अगर आप वांछित तरक्की नहीं कर पाए हैं या अपने लक्ष्य हासिल नहीं कर पाए हैं तो इसके लिए दूसरों को दोष देना या अपनी तकदीर को कोसना बंद करें। हर सुबह एक नई ऊर्जा, स्वप्रेरणा और फोकस के साथ उठें और अपनी तरक्की के लिए स्वयं सचेष्ट होने का प्रण लें। नकारात्मक विचारों को मन से निकाल फेकें और दूसरों को नियंत्रित करने के ख्याल मन में लाने की बजाय अपने क्रिया-कलाप को नियंत्रित करें ताकि आप सही दिशा में कार्यशील रहें।

नजरिया रखता है मायने: हमारा दिमाग चीजों को कैसे देखता है उस पर भी हमारे जीवन का बेहतर होना निर्भर करता है। मैसाचूसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में कॉग्निटिव न्यूरोसाइंस की प्रोफेसर टेलीशेरोट कहती हैं कि जिंदगी को बेहतर बनाने के प्रयासों के साथ-साथ हमें इसे बेहतर तरीके से देखना भी सीखना होगा। इसके लिए हमें अपने आस-पास मौजूद हमारे घर में उपलब्ध उन चीजों और लोगों का महत्व समझना होगा, जो न होतीं तो हमारा जीवन कैसा होता? फिर इस बात पर गौर करना होगा कि कौन से छोटे-छोटे बदलाव हमें बेहतर बना सकते हैं?

एवरेज मानसिकता से उबरें: अगर आपको आगे बढ़ना है और उन चंद लोगों की सूची में खुद को देखना है, जो आमजन से अलग और ऊपर हैं तो आपको 95 फीसदी लोगों की नहीं सफलतम 5 फीसदी लोगों की आदतों को अपनाना होगा। जाने-माने मोटिवेशनल लेखक रॉबिन शर्मा ने अपनी पुस्तक 'द 5 एएम क्लब' में लिखा है कि अपने दिन की शुरुआत एक लक्ष्य और ऊर्जा के साथ करें। केवल मानसिकता और आशावाद पर ही निर्भर ना रहें। इन सबके साथ-साथ संतुलन पर भी ध्यान दें। अपने स्वास्थ्य, मन और आत्मा पर भी ध्यान दें और उनकी ताकत का इस्तेमाल करें।

इस प्रवृत्ति से स्वयं को रोकें: विशेषज्ञ कहते हैं कि हम अपने आस-पास के लोगों की बेकार में ही कमियां ढूंढते रहते हैं, जबकि उनसे हमारा कोई लेना-देना नहीं होता। इसके लिए आपको सतर्क रहना होगा। खासकर तब जब आप किसी के रूप, रंग और व्यवहार को लेकर नकारात्मक धारणाएं बना रहे होते हैं। मनोचिकित्सक कहते हैं कि जब आप किसी की आलोचना करें या कमियां निकालें तो सबसे पहले खुद का आकलन करें।

इस आदत के नुकसान: हमेशा दूसरों में कमियां ढूंढने से आपकी सहानुभूति और समानुभूति से जुड़ी समझ और भावनाएं धुंधली पड़ सकती हैं। नए दृष्टिकोण के प्रति आपकी ग्रहणशीलता कम हो जाती है। आप यह सोच ही नहीं पाते कि आपसे अलग भी कोई सोच सही और उपयोगी हो सकती है। आप हमेशा तुरंत प्रतिक्रिया करने की ओर अधिक प्रवृत्त हो सकते हैं। आपको लगने लगता है कि आप किसी की जितनी ज्यादा कमियां ढूंढेंगे आपको उतना ही ज्यादा बेहतर महसूस होगा। इससे आपकी सोच प्रभावित होगी और ग्रोथ प्रभावित होगी। *

लोगों को जज ना करें

अकसर व्यवहारगत कारण हमारी तरक्की की राह में रुकावट बनते हैं। सफल लोगों की कुछ खास आदतें विनम्रता, परोपकार और मिलनसारिता उन्हें आगे ले जाती हैं। 'व्हाट गॉट यू हियर वॉन्ट गेट यू देयर' के लेखक मार्शल गोल्डस्मिथ कहते हैं कि सफल लोगों के विचार ठोस होते हैं और उन्होंने अपने लिए ऊंचे मानक तय किए होते हैं। इसलिए अपनी आदतों के प्रति सजग रहें। लोगों को थैंक यू बोलना सीखें और सुनने की कला विकसित करें।

रोचक / अपराजिता

समय की सटीक गणना करना हमें जितना आसान लगता है, उतना होता नहीं है। इसमें कई फैक्टर्स काम करते हैं। समय की सटीक गणना करने की प्रक्रिया कब कैसे शुरू हुई, जानिए।

आज भी आसान नहीं है समय की सटीक गणना

अगर आपने कभी समय की सटीक सूक्ष्मता पर गंभीरता से नहीं सोचा तो एक मायने में कहना होगा कि आप समझदार और व्यावहारिक व्यक्ति हैं, क्योंकि भले आम आदमी के लिए आज टाइम या समय जानना बेहद आसान हो। हम मोबाइल से लेकर लैपटॉप तक कहीं भी एक नजर डालकर पलक झपकते समय जान लेते हों। लेकिन अगर आप समय को भौतिक विज्ञान की नजर से समझने में रुचि रखते हैं तो समझ लीजिए आपके लिए सही समय जानना, वाकई रॉकेट साइंस जैसा जटिल हो जाएगा। जी हां, तकनीक के इस अतिविकसित काल में भी सही समय जानना और लगातार सही समय के साथ संपर्क में रहना कितना जटिल है, इसे वही लोग जानते हैं, जिन्हें हम टाइम कीपर कहते हैं।

इसलिए होता है कठिन: सटीक समय जानना इसलिए कठिन होता है क्योंकि समय की सटीकता केवल घड़ी देखने तक सीमित नहीं होती है, बल्कि यह वैश्विक संचार, नेविगेशन, वित्तीय लेन-देन और वैज्ञानिक अनुसंधानों से गहराई से जुड़ी हुई स्थिति है। टाइमकीपर्स के लिए यह एक बड़ी चुनौती इसलिए होती है, क्योंकि समय का प्रवाह पूर्णतः स्थिर नहीं होता। सापेक्षता के सिद्धांत के अनुसार, गुरुत्वाकर्षण और गति का प्रभाव भी समय को थोड़ा बहुत प्रभावित करता है। उदाहरण के लिए, पृथ्वी की सतह की तुलना में उपग्रहों पर लगी घड़ियां थोड़ा अलग गति से चलती हैं। साथ ही पृथ्वी की घूर्णन गति में छोटे-छोटे परिवर्तन होते हैं, जिससे कभी-कभी 'लीप सेकेंड' जोड़ना पड़ता है। दुनिया भर को हर पल सही समय के साथ रखने के लिए परमाणु घड़ियों के नेटवर्क को सिंक करना जरूरी होता है, क्योंकि जीपीएस, इंटरनेट, बैंकिंग सिस्टम और टेलीकॉम नेटवर्क इसी सटीक वैश्विक समय पर निर्भर करते हैं। इस सबके लिए माइक्रोसेकेंड (1 सेकेंड का दस लाखवां भाग) के स्तर की सटीकता चाहिए होती है, जो बनाए रखना किसी भी क्षण आसान नहीं होता है।

इसलिए सटीकता है जरूरी: आज के दौर में समय की सटीकता का रिश्ता, साइबर सुरक्षा से भी जुड़ गया है। आधुनिक समय-संकेतों को साइबर हमले से सुरक्षित रखना जरूरी है। यदि किसी देश का टाइम-सिग्नल हैक हो जाए, तो बैंकिंग, इंटरनेट और सैन्य सिस्टम प्रभावित हो सकते हैं। समय को सटीकता के पैमाने पर खरा बनाए रखने के लिए भिन्न समय मानकों के साथ सौ फीसदी सटीक तालमेल जरूरी होता है। आज इंसान को हर पल जो यह सटीक समय जानने की सुविधा है, वह कई शताब्दियों के वैज्ञानिक प्रयासों का नतीजा है। लेकिन इसे बनाए रखना लगातार जटिल होता जा रहा है, खासकर जब माइक्रोसेकेंड और नैनोसेकेंड की सटीकता की जरूरत बढ़ती जा रही हो। *

सही समय जानने की यात्रा

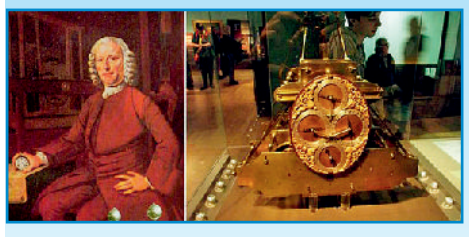

इंसान को सटीक समय जानने की सुविधा कब और कैसे मिली? इस सवाल का जवाब है, प्राचीन काल में कई प्रयोगों के बाद यह सौगात हासिल हुई है। पहले सूर्यघड़ी और जलघड़ी जैसी तकनीकों से समय मापा जाता था, लेकिन ये मौसम और भौगोलिक स्थितियों पर निर्भर हुआ करती थी। इसके बाद आया यांत्रिक घड़ियों का युग (13वीं-14वीं सदी)। सबसे पहले यूरोप में यांत्रिक घड़ियां बनीं, लेकिन इनमें लाख कोशिशों के बावजूद कुछ मिनटों का फर्क रह जाता था। इन्हीं दिनों यानी अठारहवीं शताब्दी में समुद्री यात्रा में सटीक समय जानना अनिवार्य हो गया, क्योंकि तभी समुद्री जहाज अपनी सही स्थिति जान सकते थे। इस सिलसिले में सन 1761 में जॉन हैरिसन ने पहला समुद्री क्रोनोमीटर बनाया, जिससे सटीक समय मापना संभव हुआ।

समय का पहिया आगे बढ़ा फिर 19वीं सदी में रेलवे और टेलीग्राफ का युग आया। आगे चलकर ट्रेनों के समय समन्वय के लिए भी सटीक समय जानना जरूरी हो गया। सन 1884 में पहली बार वैश्विक समय-क्षेत्र यानी टाइम जोन बनाए गए। साथ ही इसी दौर में टेलीग्राफ नेटवर्क ने एक घड़ी को दूसरी से जोड़कर सही समय पहुंचाने में मदद की। सही समय जानने का अगला तरीका था परमाणु घड़ी। बीसवीं सदी का यह समय सचमुच अल्ट्रा-सटीक समय था। सन 1949 में पहली परमाणु घड़ी बनी, जिसने

माइक्रोसेकेंड स्तर की सटीकता दी। इससे भी आगे 1967 में सेसियम परमाणु घड़ी के आधार पर सेकेंड को परिभाषित किया गया। भला तब कौन जानता था कि आने वाले दिनों में जीपीएस और इंटरनेट आने वाला है, जिसके लिए टाइम की नैनो सेकेंड तक की सटीकता की दरकार होगी। आज जीपीएस सैटेलाइट्स परमाणु घड़ियों का उपयोग करके हमें सटीक समय देते हैं। आज इंटरनेट टाइम प्रोटोकॉल से दुनिया भर के कंप्यूटर और स्मार्टफोन सही समय सिंक कर पाते हैं।

जंतु-जगत
रजनी अरोड़ा

विलुप्ति की कगार पर हैं ये जंतु प्रजातियां

दुनिया में कई जीव-जंतु की प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं। इनकी संख्या दिन-ब-दिन कम होती जा रही है। विलुप्ति के कगार पर पहुंच चुके ऐसे ही कुछ संकटग्रस्त पशु-पक्षियों के बारे में आपको जरूर जानना चाहिए।

हॉक्सबिल टर्टल

इस समुद्री कछुए का शिकार इसके खूबसूरत कवच के लिए किया जाता है। समुद्री प्रदूषण और आवास विनाश भी इसके लिए खतरा है। दुनिया में इनकी अनुमानित संख्या 8,000-10,000 है।

वैज्ञानिकों का अनुमान है कि पृथ्वी पर जीव-जंतुओं, पशु-पक्षियों की ज्ञात प्रजातियों की संख्या लगभग तेरह लाख है, जिनमें से हम तकरीबन 14 प्रतिशत के बारे में ही जानते हैं। लेकिन अब एक लाख से अधिक प्रजातियों पर लुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है। मानव की बढ़ती जरूरतों की खातिर जंगलों की अंधाधुंध कटाई, जीव-जंतुओं के प्राकृतिक आवास का अतिक्रमण, उनका अवैध शिकार और उनके विभिन्न अंगों की तस्करी या व्यापार, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन... ऐसी अनेक वजहों से कई जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां गंभीर रूप से संकटग्रस्त हैं। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) की रेड लिस्ट, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ और अन्य जैव संरक्षण संगठनों के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार दुनिया में जीव-जंतुओं की एक लाख से अधिक प्रजातियां संकट में हैं, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

अमूर तेंदुआ: यह दुनिया का सबसे दुर्लभ तेंदुआ प्रजाति है, जो रूस और चीन के सीमावर्ती जंगलों में पाए जाते हैं। इनकी कुल संख्या केवल 100 के आस-पास बची है। इसके सुंदर धब्बेदार फर के लिए इसका शिकार किया जाता है। इसके अलावा जंगलों की कटाई और इनब्रीडिंग की वजह से भी इसका अस्तित्व संकट में है।

सुमात्रन गैंडा: यह दुनिया का सबसे छोटा और दो सींग वाला गैंडा है, जो अब केवल

इंडोनेशिया के कुछ इलाकों व सुमात्रा द्वीप में बचे हैं। इनके भी लगभग 80 सदस्य ही बचे हैं। शिकार और आबादी का विखंडन इसके लिए मुख्य खतरे हैं।

बोर्नियन-सुमात्रन ओरंग उटान: ये एशिया के वर्षावनों में पाए जाते हैं। जंगलों की कटाई (खासकर पाम ऑयल के लिए), शिकार और आगजनी की वजह से इनकी संख्या तेजी से घट रही है। इंडोनेशिया के सुमात्रा में लगभग 14,000 ओरंग उटान बचे हैं।

क्रॉस रिवर गोरिल्ला: यह अफ्रीका के कुछ जंगलों में पाया जाता है। ये अब मात्र 250-300 की संख्या में बचे हैं। आवास विनाश और शिकार की वजह से इनका अस्तित्व खतरे में है।

व्हेल शार्क: दुनिया का सबसे बड़ा स्तनपायी जंतु व्हेल शार्क, शिकार और समुद्री प्रदूषण के कारण संकट में है। दुनिया

में इनकी अनुमानित संख्या 10,000-20,000 के बीच है।

पैंगोलिन: एशिया और अफ्रीका में मिलने वाला यह स्केलयुक्त स्तनपायी दुनिया में सबसे ज्यादा तस्करी किया जाता है। ऊंचे दामों पर बिकने वाले इनके स्केल पाने की वजह से इनका शिकार किया जाता है, जिससे इनके विलुप्त होने का खतरा बढ़ गया है।

अनुमान है कि पिछले दशक 10 लाख से ज्यादा पैंगोलिन तस्करी के शिकार हुए।

गंगा डॉल्फिन: भारत और पड़ोसी देशों की नदियों में पाई जाने वाली यह डॉल्फिन जल प्रदूषण, बांध और शिकार के कारण संकटग्रस्त है। भारत, नेपाल, बांग्लादेश की नदियों में 3,500-4,000 डॉल्फिन रह गई हैं।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड: यह विशाल पक्षी राजस्थान और गुजरात के शुष्क क्षेत्रों में पाया जाता है। इसकी संख्या अब 150 से भी कम रह गई है। यह भारत के सबसे संकटग्रस्त पक्षियों में गिना जाता है। बिजली के तारों से टकराना और अवैध शिकार इसके प्रमुख खतरे हैं। *

बंगाल टाइगर

भारत का राष्ट्रीय पशु बंगाल टाइगर, विश्व की सबसे प्रतिष्ठित बड़ी बिल्ली प्रजातियों में से एक है। यह मुख्य रूप से संरक्षित क्षेत्रों जैसे सुंदरबन, काजीरंगा, बांधवगढ़, रणथंभौर और कॉर्बेट में पाया जाता है। 20वीं सदी के मध्य तक इसकी संख्या बहुत तेजी से गिर गई थी। आज इनकी संख्या तकरीबन 4 हजार रह गई है। इनकी घटती संख्या का कारण है, खाल के लिए इनका शिकार किया जाना।